दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 74 | ग्वालियर, सोमवार 3 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

असम में दोबारा सरकार बना इतिहास रचने जा रही बीजेपी

डिसपुर। असम विधानसभा चुनाव के परिणामों की औपचारिक घोषणा देर रात तक ही होगी. हालांकि रुझानों से साफ हो गया है कि उत्तर-पूर्वी राज्य असम में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी बेहतर प्रदर्शन करती हुई नजर आ रही है. शुरुआती रुझानों में पार्टी अन्य दलों पर मजबूत बढ़त बनाए हुए है. कहा जा रहा है की बीजेपी राज्य में जीत दर्ज करने की राह पर है. ऐसा होते ही अपनी जीत के साथ ही बीजेपी असम की राजनीति में इतिहास भी बनाएगी. बीजेपी राज्य में जीत का परचम लहराते ही असम में दोबारा सत्ता हासिल करने वाली इतिहास की पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी होगी.

कांग्रेस गठबंधन की शिकस्त-इधर, चुनाव आयोग की तरफ से 120 सीटों पर रुझान जारी कर दिए गए हैं. खबर लिखे जाने तक बीजेपी 76 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं, जबकि उसके साथ गठबंधन में शामिल असम गण परिषद 11 सीटों और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल 7 सीटों पर आगे है. ऐसे में पार्टी की स्थिति राज्य में मजबूत नजर आ रही है. विपक्ष में मौजूद कांग्रेस गठबंधन 48 सीटों पर बढ़त हासिल कर चुका है. कांग्रेस ने ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक फ्रंट, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट, वाम दलों, आंचलिक गण मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिलकर %महाजोत% गठबंधन तैयार किया है. इसके अलावा राज्य के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल भी यह बात कह चुके हैं कि रुझानों से साफ होता है कि बीजेपी राज्य में सरकार बना रही है.

सीएम सोनोवाल बोले- सरकार बनाएगी बीजेपी-असम के सीएम सर्वानंद सोनोवाल कहते हैं, शुरुआती रुझानों के अनुसार यह साफ है कि भारतीय जनता पार्टी असम में सरकार बनाएगी. सोनोवाल खबर लिखे जाने तक मजौली सीट से आगे चल रहे हैं. उनके नजदीकी प्रतिद्वंदी और कांग्रेस उम्मीदवार राजीव लोचन पेगू लगभग एक-तिहाई मतों से पीछे चल रहे हैं. इसके अलावा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा भी जलुकबारी सीट से आगे हैं. यहां कांग्रेस प्रत्याशी रोमेन चंद्र बोरठाकुर दूसरे नंबर पर हैं. 2016 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 60 सीटों पर जीत दर्ज कर असम में पहली बार सरकार बनाई थी. इस दौरान पार्टी को एजीपी और बीपीएफ का समर्थन मिला था. दोनों पार्टियों ने मिलाकर 12 सीटें हासिल की थीं. उस दौरान कांग्रेस ने 26 सीटें जीती थीं और एआईयूडीएफ के खाते में 13 सीटें आई थीं.

चुनाव परिणामों पर कांग्रेस को बड़ा झटका, इन राज्यों में मिली शिकस्त

नयी दिल्ली। मतगणना के रूझानों से यही पता चल रहा है कि कांग्रेस को पांच राज्यों में करारी हार का सामना करना पड़ रहा है. हालांकि सबसे चौंकाने वाली बात पार्टी को केरल में मिल रही हार है, जहां एलडीएफ या वाम लोकतांत्रिक मोर्चा लगातार दूसरी बार जीत हासिल की इतिहास रचने जा रही है. पार्टी को केरल से मिला यह झटका अहम है क्योंकि पार्टी के नेता राहुल गांधी वायनाड से सांसद हैं और उनके करीबी लेफ्टिनेंट के.सी. वेणुगोपाल भी उसी राज्य से हैं. रुझानों के मुताबिक, पुडुचेरी में भी एनडीए कांग्रेस से आगे है. कांग्रेस के लिए अब एक मात्र रास्ता तमिलनाडु का ही है, जहां गठबंधन वाली सरकार को जीत मिलने के आसार है, हालांकि कांग्रेस की दावेदारी यहां कम ही है. एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 140 सदस्यीय केरल विधानसभा में वाम मोर्चा 80 निर्वाचन क्षेत्रों में आगे है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ 58 और भाजपा दो सीटों पर आगे है. एक्जिट पोल के निष्कर्षों ने न्यूनतम 75 सीटों और अधिकतम 120 सीटों के साथ पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे की जीत की भविष्यवाणी की है. वहीं इस बीच चुनाव आयोग ने रविवार को सभी मुख्य सचिवों को निर्देश दिया कि वे उम्मीदवारों की जीत का जश्न मना रहे लोगों के खिलाफ एफआईआर (एफआईआर) दर्ज करें.

भले बीजेपी सरकार न बनी...

ममता की जीत से बढ़ी राहुल की दिक्कतें

नई दिल्ली। अब कोई शक-ओ-शुबहा नहीं रह गया है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार लगातार तीसरी बार बनने जा रही है. भारतीय जनता पार्टी का अबकी बार 200 पार का नारा बेअसर रहा है और वह तिहाई अंकों में भी सीटें लाती नहीं दिख रही. बीजेपी का दावे के अनुकूल प्रदर्शन नहीं कर पाना और ममता बनर्जी का तीसरी बार सरकार बनाना कांग्रेस खासकर सोनिया-राहुल गांधी पर बेहद भारी पड़ने वाला है. बंगाल चुनाव नतीजों का राष्ट्रीय परिदृश्य पर पड़ने वाला यह असर कांग्रेस के लिए सबसे घातक साबित हो सकता है. सबसे बड़ी बात तो यही है कि बीजेपी की विशालकाय मशीनरी के असर को बेअसर कर तीसरी बार सत्ता पर काबिज होकर ममता बनर्जी ने विपक्षी नेता बतौर अपना कद कई गुना बढ़ा लिया है. यही कद अब कांग्रेस खासकर राहुल गांधी के भविष्य को बौना साबित कर सकता है.

विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा बनीं ममता बनर्जी-कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस ने मिलकर जब सरकार बनाई थी, तो उस वक्त विपक्ष के सारे प्रमुख नेताओं ने एक मंच पर जुटकर बीजेपी के सामने चुनौती पेश करने की कोशिश की थी. यह अळग बात है कि 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान सारे विपक्षी नेता बिखर गए. इसके बाद से लगातार विपक्ष में नेतृत्व और सर्वमान्य चेहरे की कमी खलती रही है. पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की हैट्रिक होने पर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि वह विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा बन जाएंगी.

विपक्ष में कोई नहीं ममता के टक्कर का-विपक्ष के नेतृत्व में चेहरे की तलाश करें तो पहला नाम राहुल गांधी का आता है. राहुल गांधी के नाम कोई ऐसी उपलब्धि नहीं है. लगातार दो लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की बुरी हार हुई है. इसके अलावा राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने किसी विधानसभा चुनाव में भी प्रचंड जीत नहीं दर्ज की है. राहुल गांधी की उपलब्धि के नाम पर केवल छत्तीसगढ़ चुनाव में अच्छी जीत दर्ज है. इसके अलावा राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने राजस्थान, मध्यप्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भी जैसे तैसे सरकार बनाने में सफल रही थी. इसमें से मध्य प्रदेश और कर्नाटक में कुछ ही महीने बाद बीजेपी सत्ता में आ गई है. इसके अलावा राजस्थान में भी अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच खींचतान के हालात बने हुए हैं. अब केरल में भी कांग्रेस का प्रदर्शन

खासा निराशाजनक रहा है. इससे जनता में साफ संकेत गया है कि राहुल गांधी सत्ता में रहने के बावजूद अपने विधायकों को एकजुट रख पाने में सक्षम नहीं हैं.

क्षेत्रीय क्षत्रपों में ममता का कद बढ़ा-राहुल के अलावा अगर बाकी चेहरों पर गौर करें तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव, बीएसपी प्रमुख मायावती, जेडीएस के अगुवा एचडी कुमारस्वामी, वामदल के सीताराम येचुरी समेत तमाम नेताओं में से कोई भी क्षत्रप नहीं है जो बीजेपी के सामने अपनी ताकत दिखा पाया हो. केवल ममता बनर्जी ही हैं जो सीधे मुकाबले में बीजेपी को परास्त करती दिख रही हैं. हां. दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद जेकरीवाल ने भी दिल्ली विधानसभा मजबूत बीजेपी के सापेक्ष जीता था, लेकिन उनमें सर्वमान्य नेता बनने के गुण कतई नहीं हैं.

पीएम मोदी की ललकार का जबाब हैं ममता-पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव प्रचार हो या फिर कोई राष्ट्रीय मुद्दे. तमाम मसलों पर ममता बनर्जी विपक्ष की एक मात्र नेता हैं जो सीधे-सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देती रही हैं. पीएम मोदी जिस तरह से भाषण के जरिए विरोधियों पर तीखे वार करते हैं, ठीक उसी अंदाज में ममता बनर्जी भी बीजेपी नेताओं पर प्रहार करती देखी जाती हैं. धारा 370 से लेकर एनआरसी, सीबीआई की राज्यों में कार्रवाई, मां दुर्गा मूर्ति विसर्जन, जय श्री राम का नारा आदि तमाम मसलों पर ममता मजबूती के साथ बीजेपी को निशाने पर लेती रही हैं.

हिंदू-मुस्लिम राजनिति पर भी टक्कर में-पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी की ओर से टीएमसी पर आरोप लगाए गए कि यह पार्टी मुस्लिम तुष्टीकरण करती है. इसके जवाब में ममता ने चुनावी मंच से खुद को शांडिल्य ब्राह्मण बताया और मां दुर्गा का पाठ करके दिखाया. इतना ही नहीं ममता ने मुस्लिम वोटरों को भी खुलकर सपोर्ट किया. यानी ममता ने बीजेपी को संदेश देने में सफल होती दिख रही हैं कि उनकी पहुंच ना केवल मुस्लिमों में बल्कि हिंदुओं में भी बराबर है.

विपक्ष का चेहरा बनने से चूके थे नीतीश-साल 2015 के विधानसभा चुनाव में लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार ने हाथ मिलाकर जबरदस्त जीत दर्ज की थी. उस दौरान चर्चा थी कि नीतीश कुमार केंद्र में विपक्ष का बन सकते हैं, लेकिन करीब एक साल बाद ही वह दोबारा से एनडीए में चले गए, जिसके चलते विपक्ष लगातार सर्वमान्य चेहरे की तलाश में जुटा हुआ है. ऐसे में जो काम नीतीश नहीं कर सके, वह काम ममता बनर्जी कहीं आसानी से कर सकती हैं. यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि बंगाल के चुनाव में लगभग सभी क्षत्रप टीएमसी के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे. आज भी विभिन्न क्षत्रपों ने ममता बनर्जी को बधाई देने में देर नहीं लगाई.

राहुल को लेकर सोनिया के प्लान ध्वस्त-ममता बनर्जी की यही सफलता कांग्रेस के लिए खासी मुसीबत बन कर सामने आ रही है. गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी लगातार कोशिश में हैं कि वह किसी भी तरह राहुल गांधी को विपक्ष का चेहरा बना लें, लेकिन ममता की हैट्रिक के बाद ऐसा होने की कम ही संभावना है. पश्चिम बंगाल के साथ असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु में भी विधानसभा चुनाव हुए हैं. इन राज्यों के आए रुझानों में असम, पुडुचेरी और केरल में भी कांग्रेस हारती दिख रही है.

पीएम मोदी ने नाइट्रोजन संयंत्रों को

ऑक्सीजन संयंत्रों में बदलने के काम की समीक्षा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नाइट्रोजन संयंत्रों को ऑक्सीजन संयंत्रों में बदलने के काम की प्रगति की समीक्षा की. कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच चिकित्सा ऑक्सीजन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने ऑक्सीजन उत्पादन के लिए मौजूदा नाइट्रोजन संयंत्रों को ऑक्सीजन संयंत्रों में बदलने की व्यवहार्यता का पता लगाया है. केंद्र ने मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए दो दर्जन से अधिक नाइट्रोजन उत्पादन संयंत्रों की पहचान की है. प्रधानमंत्री ने समीक्षा बैठक के बाद ट्वीट करते हुए कहा है कि ऑक्सीजन की आपूर्ति में तेजी लाने के लिए, सरकार नाइट्रोजन संयंत्रों को ऑक्सीजन संयंत्रों में बदलने पर काम कर रही है. उन्होंने कहा है कि ऐसे संभावित उद्योगों की पहचान करके इन्हें परिवर्तित किया जा रहा है.

प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि बैठक में मौजूदा प्रेशर स्विंग एड्सॉर्प्शन (पीएसए) नाइट्रोजन संयंत्रों को ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए परिवर्तित करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई.नाइट्रोजन संयंत्रों में कार्बन मॉलिक्यूलर सीव (सीएमएस) का उपयोग किया जाता है, जबकि ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए जियोलाइट मॉलीक्युलर सीव (जेडएमएस) की आवश्यकता होती है. इसलिए, सीएमएस को जेडएमएस के साथ बदलकर और कुछ अन्य परिवर्तनों जैसे ऑक्सीजन एनालाइजर, कंट्रोल पैनल

प्रणाली, प्रवाह वाल्व आदि के साथ मौजूदा नाइट्रोजन संयंत्रों में ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए परिवर्तित किया जा सकता है. बयान में कहा गया है कि उद्योगों के साथ विचार-विमर्श के बाद अब तक 14 उद्योगों की पहचान की गई है, जहां नाइट्रोजन संयंत्रों के रूपांतरण का काम प्रगति पर है. इसके अलावा, उद्योग संघों की मदद से 37 नाइट्रोजन संयंत्रों की इस कार्य के लिए पहचान की गई है. ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए संशोधित नाइट्रोजन संयंत्र को या तो पास के अस्पताल में स्थानांतरित किया जा सकता है और अगर इस संयंत्र को स्थानांतरित करना संभव नहीं है, तो इसका उपयोग ऑक्सीजन के ऑन-साइट उत्पादन के लिए किया जा सकता है, जिसे विशेष पोत/सिलेंडर से अस्पताल में पहुंचाया जा सकता है. बैठक में प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव, कैबिनेट सचिव, गृह सचिव, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया. ऐसे विभिन्न संभावित उद्योगों की पहचान की गई है, जिनमें मौजूदा नाइट्रोजन संयंत्रों को ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए परिवर्तित किया जा सकता है. इन उद्योगों को जल्द से जल्द काम पूरा करने के लिए सुविधा प्रदान की जा रही है. केंद्र का यह कदम ऐसे समय पर सामने आया है, जब देश में कोरोनावायरस मामलों की संख्या में तेजी से वृद्धि जारी है. कोरोना के मामले शनिवार को चार लाख के आंकड़े को पार कर गए थे. रविवार को देश में पिछले 24 घंटों के दौरान 3,92,488 नए कोविड-19 मामले सामने आए. मामलों में तेजी से हो रही वृद्धि से अस्पतालों पर दबाव काफी बढ़ चुका है और देश के अधिकांश अस्पतालों में जरूरी दवाओं और बिस्तर के साथ ही ऑक्सीजन की भारी कमी है.

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की जीत पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दी बधाई

नयी दिल्ली। 4 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में हुए चुनावों के परिणाम आज घोषित किए जा रहे हैं. पश्चिम बंगाल में भी वोटों की गिनती जारी है. अभी तक के रूझानों में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी चुनाव में जीतती हुई दिखाई दे रही हैं. ममता बनर्जी की इस जीत पर केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें बधाई दी है. आपको बता दें कि ममता बनर्जी ने इस जीत के साथ ही पश्चिम बंगाल में जीत की हैट्रिक लगा दी है वो साल 2011 के बाद से लगातार तीसरी बार बंगाल की सत्ता पर काबिज होने जा रही हैं. केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए ट्विटर पर लिखा, पश्चिम बंगाल

के मुख्यमंत्री को जीत के लिए बधाई, दीदी को बंगाल की जीत के लिए मेरी ओर से शुभकामनाएं. आपको बता दें कि राजनाथ सिंह अभी तक भारतीय जनता पार्टी की ओर से ममता बनर्जी को बधाई देने वाले पहले नेता हैं. इसके पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को लगातार तीसरी बार बंगाल की सत्ता पर काबिज रहने के लिए बधाई दी है. सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से ममता बनर्जी को बधाई दी थी. वहीं महाराष्ट्र के एनसीपी चीफ शरद पवार ने भी ममता बनर्जी को लगातार तीसरी बार जीत के लिए बधाई संदेश भेजा है.

चुनाव आयोग

पक्षपात नहीं करता तो बीजेपी यहां भी नहीं पहुंचती: प्रशांत किशोर

राज्य में ध्रुवीकरण के मुद्दे काम नहीं किए हैं. इससे साफ है कि ध्रुवीकरण की सीमा है और पता चलता है कि आखिर बीजेपी के खेमे में कितने वोट जा सकते हैं. साफ है कि आप सिर्फ ध्रुवीकरण के भरोसे ही नहीं जीत सकता. प्रशांत किशोर ने कहा कि ममता बनर्जी पर मुस्लिमों से एकजुट होकर मतदान की अपील करने पर नोटिस मिला था.

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी के साथ-साथ प्रशांत किशोर का भी भविष्य दांव पर लगा हुआ था. पीके ने दावा किया था कि बंगाल चुनाव में बीजेपी तीन अंकों का सफर तय नहीं कर सकेगी और अगर ऐसा हुआ तो वह चुनावी रणनीतिकार का काम बंद कर देंगे. ऐसे में अब जब बीजेपी दो अंकों में समिटती दिख रही है तो प्रशांत किशोर की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है. प्रशांत ने बेलौस अंदाज में कहा कि बीजेपी के 80 के करीब सीटों पर ही सिमटने का अंदाजा उन्हें पहले से था. इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग पर भी निशाना साधते हुए पक्षपात का आरोप लगाया. प्रशांत किशोर ने कहा, चुनाव आयोग की ओर से पक्षपात के चलते बीजेपी ऐसी स्थिति में आ सकी है. यदि आयोग ने निष्पक्षता के साथ काम किया होता तो ऐसा नहीं होता. आयोग ने अपने सिस्टम के जरिए बीजेपी को सपोर्ट करने का काम किया था. इसके चलते ही चुनाव ज्यादा से ज्यादा चरणों में कराया गया था. यह चुनाव 10 या 15 दिनों ही कराया जा सकता था, लेकिन दो महीने का समय लिया गया.

राजनीतिक दल चुनाव आयोग की हरकतों पर आवाज उठाएं-एनडीटीवी से बातचीत करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, मुझे खुशी है कि राज्य में ध्रुवीकरण के मुद्दे काम नहीं किए हैं. इससे साफ है कि ध्रुवीकरण की सीमा है और पता चलता है कि आखिर बीजेपी के खेमे में कितने वोट जा सकते हैं. साफ है कि आप सिर्फ ध्रुवीकरण के भरोसे ही नहीं जीत सकता. प्रशांत किशोर ने कहा कि ममता बनर्जी पर मुस्लिमों से एकजुट होकर मतदान की अपील करने पर नोटिस मिला था. यदि ऐसा ही है तो फिर बीजेपी के हर नेता को नोटिस मिलना चाहिए था. दीदी की जमकर तारीफ करते हुए ने कहा कि ममता बनर्जी के साथ काम करना मेरे लिए खुशी की बात है. प्रशांत किशोर ने कहा कि राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग की इस तरह की हरकत के खिलाफ एकजुट होना चाहिए.

कांग्रेस पर कहने से बचे पीके-नंदीग्राम में ममता बनर्जी के पिछड़ने को लेकर भी पीके ने टिप्पणी की है. नंदीग्राम में ममता बनर्जी के पिछड़ने को लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि इस बात पर कोई संदेह नहीं है कि वे जीतेंगी. प्रशांत किशोर ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने गलत प्रोपेगेंडा फैलाया था, जिसका उसे खामियाजा भुगतना पड़ा था. उन्होंने टीएमसी ने 2019 के बाद लोगों के सामने पैदा हुए संकट को मुद्दा बनाया था. कांग्रेस के सफाये को लेकर पूछे जाने पर प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं इस संबंध टिप्पणी नहीं कर सकता. इस मामले में मैं काफी छोटा हूं. उन्होंने कहा कि इस पर तो कांग्रेस की ओर से ही जवाब दिया जा सकता है.

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नेताओं ने अपने स्वार्थ व सत्ता की खातिर

देश के नागरिकों को अकाल मौत के मुंह में धकेला, इन मौत का जिम्मेदार कौन...

चुनाव की रैलियों के दौरान कोरोना गाइडलाइंस का पालन क्यों नहीं करवाया...

केशब पंडित जी
ब्यूरौ चम्बल डिबीजन अम्बाह...

अम्बाह... देश के नेताओं ने सत्ता व स्वार्थ की खातिर आम आदमी की जान की परवाह न करते हुए चुनाव के कारण देश में समय रहते लॉक डॉउन नही लगाया। जिसके कारण कोरोना महामारी का संक्रमण एक चेन के रूप में बढ़ता चला गया और आज हालात बेकाबू होते चले गए। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी जारी करने के बाद भी देश व प्रदेश की सरकारो ने इसे गंभीरता से न लेते हुए लापरवाही की। देश के नागरिकों के हित को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष चुनाव करवाने वाले चुनाव आयोग ने भी अपने अधिकारों का उपयोग न करते हुए हस्तक्षेप नही किया। कोरोना महामारी के कारण चुनावों को स्थगित किया जाना था या चुनावी रैलियों पर प्रतिबंध लगाना था! चुनाव आयोग के अलावा देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं ने भी कोरोना महामारी के संक्रमण को गंभीरता से नहीं लिया! जबकि ये संस्थाए स्वतंत्र हैं, क्या ये सरकार के दवाब में कार्य कर रहे हैं! कोरोना महामारी का अत्यधिक संक्रमण फैलने से कोरोना मरीजों को सरकार समय पर इंजेक्शन, दवा, गोली, आक्सीजन, अस्पतालो की व्यवस्था नहीं करवा सकी। जिसके कारण हजारों, लाखों की संख्या में आम आदमी कोरोना से कम मरा किन्तु समय पर आक्सीजन, इंजेक्शन नही मिलने के कारण बेमौत मारा गया है। राज्य सरकारे व्यवस्था ही नहीं कर सकी। आज किसी के परिवार में बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया तो कहीं किसी बहन, बेटी की मांग का सिंदूर चला गया और कई माताओं की गोद सूनी हो गई।

इन अकाल मौतों का जिम्मेदार कौन? हरिद्वार में कुम्भ में भी लाखों की भीड़ जुटवाना तुस्टीकरन की नीति रही जो बड़े पैमाने पर संक्रमण का कारण बनी।

चुनाव के दौरान नेताओं ने हजारों, लाखो की संख्या में भीड़ इकट्ठी कर रैलियां आयोजित की। चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना गाइडलाइंस का पालन क्यों नहीं करवाया गया? आज देश के नेताओं को कोरोना हुआ उन्हें तो वीआईपी चिकित्सा सुविधाये मिल जाने के कारण स्वस्थ होकर वापस लौट आये। किन्तु सरकार देश की जनता को अस्पतालो में आक्सीजन बेड, इंजेक्शन, दवा, गोलियां समय पर उपलब्ध नही करवा पाई। देश की जनता तड़प तड़पकर सड़को व अस्पतालों में बेमौत मर रही है। देश में अराजकता का माहौल, नागरिक कोरोना की बीमारी से भयभीत, डरे, सहमे हुए हैं। देश के नेताओं ने अपने स्वार्थ व सत्ता के लोभ के कारण देश की जनता को मौत के मुंह में धकेल दिया है। देश की गरीब जनता का व्यापार चौपट हो गया है और मजदूर वर्ग रोजी रोटी को तरस गया है। गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वालो को शासन से अनाज व अन्य आर्थिक सहायता मिल जाती हैं लेकिन मध्यमवर्गीय परिवार तो शासन की योजनाओं का लाभ भी नहीं ले पाता है और आर्थिक स्थिति ने विकराल रूप धारण कर लिया है। देश के नेताओं ने अपने स्वार्थ की खातिर देश को गर्त में डुबो दिया है। कोई महामारी से मर रहा है तो कोई गरीबी के कारण आर्थिक तंगी के कारण भुखमरी से मौत हो रही हैं। आज महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, नई दिल्ली, आदि अनेक राज्यो में कोरोना महामारी के कारण हा-हा कार मचा हुआ है। देश के नागरिक कोरोना महामारी के कारण सदमे में है और डरे सहमे हुए हैं। इन अकाल मौत के लिए कौन जिम्मेदार हैं।

मंत्री ने अमलतास अस्पताल देवास का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ

उज्जैन। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव ने आज दोपहर में अमलतास हॉस्पिटल का दौरा किया एवं वहां पर मरीजों के उपचार की व्यवस्था का निरीक्षण किया ।उच्च शिक्षा मंत्री को बताया गया कि यहां पर उज्जैन के मरीजों के लिए 180 बेड आरक्षित हैं ।डॉ यादव ने अस्पताल प्रबंधन से चर्चा की एवं उनकी ऑक्सीजन की समस्या को दूर करने का आश्वासन देते हुए कहा कि ऑक्सीजन उज्जैन से उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा । साथ ही उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि मरीजो के परिजनों से सिलेंडर न मंगवाए जाए । डॉ यादव ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को और अच्छा बनाने के लिए निर्देश भी दिए।

पुलिस द्वारा सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

ऊमरी(ब्यूरो)। भिण्ड के ऊमरी में पुलिस की एक अभिनव पहल अंतर्गत पुलिस जवानों द्वारा सवारी वाहनों का सेनेटाईजेशन किया जा रहा है। थाना ऊमरी में पुलिस जवानों द्वारा सवारी वाहनों में सेनेटाइजर का छिड़काव किया गया एवं वाहन चालकों को प्रतिदिन वाहन की सफाई करने एवं वाहन में सेनेटाइजर रखने की समझाइश भी दी जा रही है।

संक्रमित होने के बावजूद लोगों का कर रहे थे इलाज 10 हजार का जुर्माना

दतिया(अर्पित गुप्ता)। सेवढा तहसील की ग्राम थरेट में एक निजी चिकित्सक व उनका बेटा कोरोना संक्रमित होने के बावजूद लोगों का इलाज कर रहे थे। इस पर सेवढा तहसीलदार ने उन पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए नोटिस दिया है। नोटिस में कहा है कि आपका क्लीनिक सील कर दिया जाना चाहिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवढा के तहसीलदार मे गोपाल सिंह और उनके पुत्र अजीत सिंह को एक नोटिस जारी करते हुए कहा है कि थ्रेट क्षेत्र में आप और आपके पुत्र दोनों ही कोरोना संक्रमित है उसके बावजूद आप अपने चिकित्सालय में भीड़ एकत्रित कर लोगों का

इलाज कर रहे हैं। इसके तहत उन्होंने गोपाल सिंह पर आपदा प्रबंध की धारा के तहत 10 हजार रुपए का जुर्माना भी किया है। जुर्माना नहीं भरने पर क्लीनिक को सील करने की चेतावनी भी दी है। बता दें कि जिले में निजी चिकित्सकों द्वारा लोगों का इलाज किया जा रहा है, जहां पर काफी भीड़ हो रही है। थ्रेरट में डॉक्टर गोपाल सिंह खुद संक्रमित होने के बाद भी लोगों का इलाज कर रहे थे। ऐसे में उन्होंने कई लोगों को संक्रमित भी किया ही होगा। प्रशासन ने इस पर कार्रवाई करते हुए अभी जुर्माना लगाया है, इसके बाद उनके क्लीनिक को सील करने की भी कार्रवाई की जाएगी।

दबोह थाना प्रभारी ने सभी गैर सरकारी अस्पतालों एवम मेडिकल संचालकों को दिए आवश्यक निर्देश

दबोह(अर्पित गुप्ता)

भिंड। जिले के कलेक्टर सतीश कुमार एवम पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह द्वारा गूगल मीट पर कर्मचारियों की सुबह 11 से 12 बजे तक बैठक आयोजित की जाती है।जिसमे प्राप्त निर्देशों के आधार पर दबोह थाना प्रभारी प्रमोद साहू ने तत्परता दिखाते हुए दबोह नगर में संचालित सभी गैर सरकारी अस्पतालों एवम मेडिकलो संचालको की बैठक थाना परिसर में ली जिसके बाद उन्होंने संचालको को कड़े निर्देश दिए।उन्हें संचालको को निर्देशित करते हुए कहा कि मरीज को बुखार में सिर्फ पैरासीटामोल ही देना है अन्य कोई दबा मरीजो को नही दी

थाना परिसर में ली मेडिकल व प्राइवेट अस्पताल संचालकों की बैठक

जाएगी या फिर रजिस्टर्ड एवम डिग्री प्राप्त सरकारी डॉक्टरों के पर्चे पर ही दबा दी जाए अन्यथा सम्बंधित के खिलाफ कठोर कार्यबाही की जायेगी।उन्होंने बताया कि शासन के नियमो का पालन करते हुए आमजनता भी सतर्कता बरते और कोरोना कर्फ्यू के दौरान घरों में ही रहे।

इनका कहना

श्री मान कलेक्टर एवम पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशों के पालन में गैर सरकारी अस्पताल एवम मेडिकल स्टोरों संचालको को निर्देश जारी किए गए हैं कि बुखार में मरीज को पैरासीटामोल के अलावा कोई दबा नही दी जाये बर्ना उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जायेगी।

प्रमोद साहू
थाना प्रभारी दबोह

डोर टू डोर सर्वे कोविड जानकारी संकलित करने में बन रहा उपयोगी सफलता की कहानी

श्योपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार किल कोरोना अभियान का द्वितीय चरण प्रदेश के सभी जिलो के साथ-साथ श्योपुर जिले में संचालित किया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की आगनबाडी एवं आशा कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र के घरों में डोर टू डोर जाकर हल्के जुखाम, खासी एवं बुखार वाले नागरिकों को चिन्हित कर उनका डाटा तैयार कर रही है। साथ ही उन्हें चिकित्सकों द्वारा प्रदाय की गई मेडिकल किट के माध्यम से दवाईयां उपलब्ध कराने में उपयोगी सिद्ध हो रही है। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में कोविड-19 के मद्देनजर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रो के गठित दलों द्वारा किल कोरोना अभियान के द्वितीय चरण के सर्वे का कार्य 23 अप्रैल से प्रारंभ किया गया है। इस अभियान में अभी तक डोर टू डोर जाकर परिवार में किसी भी व्यक्ति को हल्के लक्षण प्रतीत होने पर उनका उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण कराने के साथ-साथ परिवार का डाटा संधारित करने का कार्य किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण अधिकारी श्री रिशु सुमन ने बताया कि किल कोरोना अभियान के संचालन से परिवारों का डोर टू डोर जाकर मैदानी अमले द्वारा सर्वे किया जा चुका है। यह सर्वे कार्य जिले में निरंतर किया जावेगा। यह सर्वे कोविड-19 महामारी से निजात दिलाने में सहायक बनेगा।

रामलाल सेणचा बाबुलाल सोलंकी के उपस्थित मे 11 हजार रूपये का आर्थिक सहयोग दिया

पाली। धामली गाँव ब्याव सामोरह में राणाराम सीरवी कुकाराम सीरवी,रमेश सीरवी पुत्र दुर्गाराम गहलोत निवासी धामली द्वारा आज रामपुरा में मायरा भरने के उपरांत रामलाल सेणचा तथा बाबूलाल सोलंकी की उपस्थिति में सीरवी किसान छात्रावास हेतु रूपये 11000/- ग्यारह हजार का रूपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया।इस हेतु इस परिवार का तहेदिल से हार्दिक आभार एवं बहुत बहुत बधाई दी।

जैन मिलन ग्वालियर ने स्वर्ग आश्रम में भोजन व कूलर वितरण कर

56 वां जैन मिलन का स्थापना दिवस बनाया

जैन मिलन का उदेदष्य है मानव सेवा करना-मुनिश्री, जैन मिलन ग्वालियर ने भारतीय जैन मिलन संस्था का 56 वां स्थापना दिवस एवं आचार्यश्री विराग सागर महाराज के 59 वां अवतरण दिवस बनाया

ग्वालियर। जैन मिलन ग्वालियर के तत्वाधान में आज रविवार को राष्ट्रसंत मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज के अर्शीवाद से गुड़गुडी का नाका स्थित आश्रम स्वर्ग सदन में सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए भारतीय जैन मिलन संस्था का 56 वां स्थापना दिवस एवं आचार्यश्री विराग सागर महाराज के 59 वां अवतरण दिवस पर पदाधिकारी एवं सदस्यो ने पहुचकर आश्रम पर फल, भोजन एवं कूलर भेंट कर बनाया गया।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन आदर्ष कलम ने बताया कि जैन मिलन ग्वालियर संस्था ने आज भारतीय जैन मिलन संस्था का 56 वां स्थापना दिवस एवं आचार्यश्री विराग सागर महाराज के 59 वां अवतरण दिवस पर आश्रम स्वर्ग सदन में रहने वाले वृद्धलोगो को फल, भोजन वितरण कर व आश्रम के संचालक विकास गोस्वामी को कूलर भेंट कर संस्था का आदर्श कलम, बिशेष रूप से उपस्थित थे। मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ने कहा कि जैन मिलन ग्वालियर संस्था का उदेशशय है कि मानव सेवा ही सच्ची धर्म सेवा है। असहाय लोगो सेवा कर उनकी मदद करना ही मानव सेवा है। गरीब परिवार के लिए समय-समय पर फल, राषन, दवाईया, आदि समान वितरण संस्था के माध्यम से करती है। स्थापना दिवस अचार्यश्री का अवतरण दिवस बनाया। इस मौके पर जैन मिलन संस्था के अध्यक्ष योगेष जैन, सचिव आशीष जैन, विनय कासलीवाल, पूर्व अध्यक्ष संजीव अजमेरा, पंकज बाकलीवाल, विनय पुष्प, तेजाकुमार पाटनी, एवं जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन

कोरोना संक्रमण में श्री अभिषेक जागिड अपनी महती भूमिका निभा रहे है सफलता की कहानी

श्योपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद श्योपुर के कार्यकर्ता श्री अभिषेक मौसम जांगिड़ कोरोना संक्रमण के दौरान नगर पालिका मेरीज गार्डन में बने कोविड सेंटर पर आने वाले नागरिकों को कोरोना के बचाव और उपाय बताने में सहायक बन रहे है। साथ ही अपनी महती भूमिका का निर्वहन करते हुए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का पालन कराने की समझाइश देने में सहयोग कर रहे है। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा श्योपुर जिले में कोरोना महामारी से बचाव करने के लिए सभी स्तर से निरंतर उपाय किये जा रहे है। साथ ही शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को संक्रमण से बचाने के लिए सभी के सहयोग से शासन गाइडलाइन का पालन कराने में अपनी भूमिका का निरंतर निर्वहन कर रहे है। इसी प्रकार जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह की बैठक में समय-समय पर लिये गये निर्णयों को आम लोगो तक पहुंचाने की पहल की जा रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्यो में कोरोना वांलेटियर के रूप में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रहे है। साथ ही मैं हूँ कोरोना वांलेटियर के रूप में संक्रमित मरीजो के घर-घर जाकर पोस्टर के माध्यम से क्षेत्र के नागरिकों को जागरूक करने में सहायक बन रहे है। इसके अलावा कोरोना की टेस्टिंग में अपनी महती भूमिका का निर्वहन करने में सहायक बन रहे है। कोरोना संक्रमण के दौरान अपनी महती भूमिका अदा कर रहे है अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता श्री अभिषेक मौसम जांगिड ने बताया कि जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से नगरपालिका श्योपुर के मैरिज गार्डन में बनाये गये कोविड सेंटर में आने वाले नागरिकों को सेम्पल लेने में अपनी सक्रिय भागीदारी का निर्वहन कर रहा हू। जिससे प्रेरणा लेकर नागरिक कोरोना संक्रमण से बचने के लिए जागरूक हो रहे है।

मैं हूँ कोरोना वालेटियर पीपीई किट पहनकर लोगों को कर रहे है जागरूक सफलता की कहानी

श्योपुर। श्योपुर जिला प्रशासन द्वारा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के समन्वय से जिले में मैं कोरोना वोलेंटियर अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अतंर्गत पीपीई किट पहनकर लोगो को जागरूक करने में सहायक बन रहे है। साथ ही हास्पीटल की व्यवस्था और मैरिज गार्डन में शादी नही करने के लिए जागरूक करने में मदद कर रहे है। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जन अभियान परिषद के मैं कोरोना वोलेंटियर कोरोना संक्रमण में विभिन्न गतिविधियों में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे है। साथ ही कोरोना से सर्तक रहने और जन जन को संदेश देने में अपनी महती भूमिका अदा रहे है। जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिहं ने बताया कि मैं हूँ कोरोना वांलेटियर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना संक्रमण से निजात दिलाने में सहभागी बन रहे है। यह वांलेटियर हास्पीटलों की विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेकर कोरोना से बचाव का नागरिकों को संदेश दे रहे है। श्योपुर जिले में नियुक्त मैं हू कोरोना वांलेटियर सर्वश्री सितांशु बंसल, अनिल मिश्रा, अंकित भार्गव, सौरभ बाजपेयी, प्रणय प्रताप, जितेश प्रजापति, जितेंद्र जांगिड़, सत्येंद्र त्यागी, सचिन वशिष्ठ, गणेश गोयल ने बताया कि जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना संक्रमण से निजात दिलाने की गतिविधियों में नागरिकों को कोरोना के बचाव के विभिन्न पहलुओं के माध्यम से आम लोगो को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही शासन द्वारा जारी गाइडलाइन से भी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में निरतंर अवगत कराया जा रहा है।

कोरोना संक्रमण रोकने में लगाये जा रहे टीका एक सराहनीय कमद सफलता की कहानी

श्योपुर। राज्य सरकार की पहल पर अभियान के रूप में नोबल कोरोना वायरस कोविड-19 का टीका 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों को टीका लगवाना एक सराहनीय कदम है। सरकार के इस कदम से नागरिक कोरोना की बीमारी से निजात पाने में सहायक बनेगे। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा 45 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को कोविड-19 का टीका लगाने के लिए समुचित प्रबंध किये गये है। साथ ही जिले में बनाये गये निर्धारित टीकाकरण केन्द्रो पर अभियान के रूप में टीका लगाने का कार्य प्रारंभ किया गया है। इन टीकाकरण केन्द्रो पर 45 वर्ष से आयु वर्ग के नागरिक बडे उत्साह के साथ आगे आकर टीका लगाने में सहायक बन रहे है।

सीएमएचओ डॉ बीएल यादव ने बताया कि कोविड-19 का टीका पूरी तरह सुरक्षित है। इस टीका से किसी भी प्रकार का कोई साइडइफेक्ट नही है। इस टीकाकरण अभियान में वैक्सीनेटर नर्स भारती मिश्रा और उनकी सहयोगी टीकाकरण कार्य को अंजाम दे रही है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मेहगांव क्षेत्र के ग्राम गिर्जुरा व खेरियातौर पहुंचकर आईसोलेट मरीजों का जाना हालचाल

श्योपुर। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह ने आज मेहगांव क्षेत्र के माइक्रो कन्टेनमेंट एरिया ग्राम गिर्जुरा एवं खेरियातौर पहुंचकर होम आईसोलेट मरीजों के परिजनो से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य एवं दवा के संबंध में जानकारी प्राप्त की और उन्होंने कहा कि प्रतिदिन पानी अधिक पिये और घर से बाहर न निकले, घबराऐं नहीं शीघ्र स्वास्थ हो जाएंगे। आईसोलेट मरीजो के परिजनों से कहा कि संक्रमित मरीज को संतुलित भोजन दें और योगा के माध्यम से आलोम विलोम करें। इस दौरान उन्होंने मरीजो के परिजनों का पल्स ऑक्सीमीटर के द्वारा ऑक्सीजन लेवल की जांच की। कलेक्टर ने गांव में किल कोरोना अभियान के अन्तर्गत सर्वे दल से जानकारी ली की आप लोगों के द्वारा कितने घरो में अभी तक जांच की चुकी है। जिसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रतिदिन कम से कम 50 घरो का सर्वे करें और सर्वे के दौरान घरवालो को समझाईस दें कि किसी भी झोलाछाप डाक्टर से दवाई न लें। साधारण बुखार आने पर पैरासीटामॉल की टेबिलेट का सेवन करें। दवा खाली पेट ना लें और इस तरह का जनजागरण गांव में फैलाऐ। इस दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सर्वे दल से पूछा कि अगर पल्स ऑक्सीमीटर के द्वारा कितने प्रतिशत ऑक्सीजन लेवल आने पर क्या-क्या सलाह दी जाना चाहिए। जिस पर सर्वे दल द्वारा अवगत कराया गया। भ्रमण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री जेके जैन, एसडीएम मेहगांव श्री महेश बरोले, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कोरोना जागरूकता एवं तत्काल मदद सेवा रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा जिले में बढ़ते कोरोना संकट को देखते हुए महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा कोरोना जागरूकता एवं तत्काल मदद सेवा रथ को आज कलेक्टर कार्यालय श्योपुर के परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के तीनो ब्लॉक श्योपुर, कराहल, विजयपुर के 225 पंचायतों में गांव- गांव जाएगा। साथ ही नागरिकों को जागरूक करने के साथ-साथ उनको दवाई एवं अस्पताल तक पहुचाने की सुविधा भी उपलब्ध करायेगा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, सीएमएचओ डॉ बीएल यादव, महात्मा गांधी सेवा आश्रम के संचालन श्री जयसिंह जादौन, बीएमओ अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कोविड -19 संक्रमित होम आईसोलेटेड रोगियों हेतु संशोधित मेडिसिन किट की उपलब्धता

श्योपुर।राज्य शासन के निर्देशानुसार होम आइशोलेशन में इलाज करा रहे लोगो को घरों में ही इलाज के लिए मेडिसिन किट उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमे अलग अलग प्रकार की दवाइया रखी गई है। स्वास्थ्य आयुक्त श्री आकाश त्रिपाठी ने प्रदेश के सभी कलेक्टर , समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ,समस्त सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि होम आईसोलेशन में स्थित कोविड रोगियों के घर पर ही कोविड -19 के स्व - प्रबंधन के लिए आवश्यक औषधि किट उपलब्ध कराई जाए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी , नगर पालिका परिषद ध् नगर परिषद तथा पंचयात एवं ग्रामीण विकास विभाग के नामांकित अधिकारियों को होम आईसोलेटेड रोगियों के घर पर वितरण हेतु होम आईसोलेशन किट के लिए आवश्यक औषधियाँ निम्नानुसार उपलब्ध कराई जाए।।

टैब अजिथ्रोमायिन 500 10 क् इ 5 दिन, 5 टैब्स- टैब मल्टीविटामिन प् व्क् इ 10 दिन, 1 स्ट्रिप 1इ10 टैब्स, टैब ब्मजतप्रपदम 10 मिलीग्राम इ 10 (वै उपयोग के लिए)। 1 स्ट्रिप 1इ10 टैब्स प् टैब पेरासिटामोल 500 मिलीग्राम इ 10 (एसओएस उपयोग के लिए)। 1इ10 टैब्स का 1 स्ट्रिप, रैनिटिडिन 150 मिलीग्राम 1 ओडी इ 10 दिन 1इ10 टैब्स का 1 स्ट्रिप, टैब जिंक 20 मिलीग्राम 1 ओडी इ10 दिन, 1इ10 टैब्स का 1 स्ट्रिप, टैब विट ब् 1000 उह 1 व्क् इ 10 दिन। 1 इ 1 टैब्स का स्ट्रिप। उपरोक्त अनुसार औषधियों को किट में परिवर्तित करने की व्यवस्था नगरीय क्षेत्रों के रोगियों हेतु नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा ग्रामीण क्षेत्रीय रोगियों के लिए पंचयात एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाए है।

शासकीय विद्यालयों की कक्षा 9वीं और 11वीं का परीक्षा परिणाम 15 मई तक घोषित करें

श्योपुर। आयुक्त, लोक शिक्षण श्रीमती जयश्री कियावत ने समस्त संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं समस्त संकुल प्राचार्य हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी को पत्र द्वारा निर्देशित किया है कि कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुये शासकीय विद्यालयों की कक्षा 9वीं एवं 11वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम 15 मई 2021 तक घोषित करें। साथ ही परीक्षा परिणाम संबंधी जानकारी को विमर्श पोर्टल पर 20 मई तक दर्ज कराना सुनिश्चित करें।

एक नजर...

लू से बचाव की सलाह-नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील'

श्योपुर। सिविल सर्जन ने बताया गया है कि गर्मी के मौसम में गर्म हवा और बड़े हुये तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। अगर अचानक शरीर का तापमान बढ़ जाये या सिर में तेज दर्द होना अचानक शुरू हो जाये तो सावधान हो जाना चाहिये। लू लगने से किडनी, दिमाग और दिल पर बुरा असर पड़ता है, जिससे अंगों की कार्य क्षमता प्रभावित होती है। लू लगने के बाद नाड़ी और सांस की तेज गति हो जाती है। त्वचा पर लाल दाने भी हो सकते हैं। बार-बार पेशाब की शिकायत तथा शरीर में जकड़न हो जाती है। गर्मी में धूप से बचने के लिये घरेलू उपाय काफी कारगर हैं। धूप में निकलते समय सिर को छाते, गमछा से ढंककर निकले। घर से निकलते वक्त पानी या शरबत पीकर बाहर निकलें जैसे शिकंजी, आम का पना, खस का शर्बत आदि धूप से आते ही ठंडा पेयजल नहीं पीना चाहिये, जहां तक हो सके धूप से बचाव करना चाहिये। गर्मी के दिन में पानी खूब पियें ताकि शरीर मे पानी की कमी न हो सकें नींबू और नमक मिला कर पानी पीने से भी लू का बचाव होता है। धूप में जाते वक्त खाली पेट नहीं जायें। सब्जियों का सूप से भी लू का बचाव होता है। गर्मी में हल्का भोजन करना चाहिये, प्याज का रस भी मालिश करने से लू लगने से बचा जा सकता है। नारियल पानी, छाछ आदि से भी लू से बचाव होता है।

अप्रैल, मई एवं जून माह का निःशुल्क खाद्यान्न वितरण जारी

श्योपुर। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देशन में अप्रैल, मई एवं जून 2021 का खाद्यान्न का वितरण पात्र परिवारों को निःशुल्क किया जा रहा है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सूरज प्रकाश कुशवाह ने बताया कि शासन निर्देशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत पात्र परिवारों को निःशुल्क तीन माह अप्रैल, मई एवं जून 2021 को खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। जिसमें भिण्ड जिले में कुल पात्र परिवार 152877 में से अभी तक माह अप्रैल में 129515 (85 प्रतिशत) परिवारों तथा मई माह का 37910 (25 प्रतिशत) परिवारों एवं माह जून का 7759 (5 प्रतिशत) परिवारों द्वारा खाद्यान्न प्राप्त कर लिया गया है। शेष पात्र परिवारो को सूचित किया जाता है कि जिन परिवारो द्वारा खाद्यान्न प्राप्त नहीं किया है वे दुकान पर जाकर राशन प्राप्त करें। प्रत्येक दुकान पर शिक्षा विभाग के दो-दो शिक्षको की ड्यूटी लगाई गई है। जिनके समक्ष खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है।

ऑक्सीजन आपूर्ति हेतु डिप्टी कलेक्टर श्री यादव नोडल अधिकारी नियुक्त अधिकारियों की लगाई ड्यूटी

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा कोरोना संक्रमण के बढते प्रभाव एवं जिला चिकित्सालय में मरीजों की बढती संख्या को दृष्टिगत रखते हुए ऑक्सीजन आपूर्ति हेतु डिप्टी कलेक्टर श्री विजेन्द्र सिंह यादव मो.न. 9074747485 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही इनके सहयोग के लिए अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई है। जारी आदेश के अनुसार पीओ नरेगा जिला पंचायत श्री विक्रम सिंह जाट मो.न. 9425106075 की ड्यूटी प्रातः 06 बजे से दोपहर 02 बजे तक, सहायक प्रबंधक मप्र सडक वि. निगम श्योपुर श्री सुनील पुआरे मो.न. 8109987499 की ड्यूटी दोपहर 02 बजे से रात्रि 10 बजे तक एवं कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग श्योपुर श्री संकल्प गोलिया मो.न. 9009852101 की ड्यूटी रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे तक लगाई गई है। साथ ही उक्त अधिकारियों का दायित्व होगा कि वह नोडल अधिकारी के सतत् संपर्क में रहते हुए अस्पताल प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित कर ऑक्सीजन आपूर्ति का पर्यवेक्षण करेगे। जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन की आवश्यकता एंव उलब्धता के संबंध में आपूर्ति हेतु आवश्यक कार्यवाही करेगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीणों को दी जा रही समझाइश

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा कोविड-19 संक्रमण के मद्देनजर जिले में कोरोना संक्रमण रोकने की दिशा में निरंतर प्रयास किये जा रहे है। इन प्रयासों के अंतर्गत सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश शुक्ल के निर्देशन में ग्रामीण स्तर पर कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जिले की जनपद पंचायत श्योपुर, विजयपुर, कराहल की ग्राम पंचायतो में आयोजित विवाह समारोह कार्यक्रम तथा अन्य समारोह में व्यक्तियों की संख्या को सीमित रखने संबंधी मैदानी अमले द्वारा विवाह समारोह में वर एवं वधु पक्ष को मिलाकर 20 व्यक्तियों के शामिल होने के लिए समझाइश दी जा रही है। साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा समारोह/आयोजन तथा कोरोना कर्फ्यू के साथ-साथ सोशल डिस्टेसिंग एवं मास्क लगाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहायता के लिए दल गठित

शिवपुरी। जिले में कार्यरत शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि उन्हें सर्दी, जुकाम, खांसी आदि लक्षण होने पर तत्काल उपचार हेतु चिकित्सक की सलाह लेकर मानस भवन, गांधी पार्क शिवपुरी में प्रात- 9 बजे से प्रात- 11 बजे तक से कोरोना टेस्ट करायें। जिला दण्डाधिकारी श्री अक्षय कुमार सिंह ने दल गठित किया है। डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल को उक्त दल का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। उक्त दल शासकीय सेवकों एवं उनके परिवार की मदद के लिये उन्हें अस्पताल, कोविड केयर सेंटर में भर्ती कराने, दवा दिलवाने, राशन उपलब्ध कराने संबंधी कार्य का समन्वय करेंगे।

स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग के लिये गाँव-गाँव दी जा रही है दस्तक

शिवपुरी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में गाँव-गाँव और घर-घर जाकर स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग के लिये किल-कोरोना अभियान-2 चलाया जा रहा है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ संक्रमण की दर अधिक है, वहाँ प्राथमिकता से सर्वे टीम पहुँच कर संभावित मरीजों की पहचान कर रही है। गत 24 अप्रैल से प्रारंभ हुए किल-कोरोना अभियान-2 के लिये 15 हजार 308 सर्वे टीमें गठित की गयी हैं। सर्वे टीमों द्वारा अभी तक 2 करोड़ 29 लाख 51 हजार 135 से अधिक जनसंख्या का सर्वे पूरा कर लिया गया है। सर्वे के दौरान 84 हजार 148 से अधिक संभावित मरीजों के सैम्पल लिए गये हैं। अभियान 9 मई तक चलेगा।

94.62 प्रतिशत ग्राम पंचायतो ने लिया कोरोना-कर्फ्यू का संकल्प-प्रदेश की 22 हजार 811 ग्राम पंचायतों में से 21 हजार 584 ग्राम पंचायतों ने जनता कोरोना कर्फ्यू लगाने का संकल्प लिया है, जो कुल पंचायतों की लगभग 94.62 प्रतिशत है। अत्यावश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी और निजी कार्यालय 10 प्रतिशत उपस्थिति के साथ संचालित हो रहे है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक खेल, शैक्षणिक, सार्वजनिक कार्यक्रम और मनोरंजन की गतिविधियों आयोजित करने के लिए लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबन्ध रखा गया है।

80 लाख से अधिक का हुआ टीकाकरण-प्रदेश में टीकाकरण का कार्य भी जारी है। अब तक प्रदेश के हेल्थ वर्कर्स फ्रंट लाईन वर्कर्स, वरिष्ठ नागरिक एवं 45 वर्ष से अधिक के लगभग 80 लाख 69 हजार से अधिक लोगों का टीकाकरण हो चुका है। प्रदेश के 3 करोड़ 22 लाख से अधिक नागरिकों को टीका लगेगा। सरकार इस कार्य पर लगभग 2710 करोड़ रुपये खर्च करेगी। कोविशील्ड वैक्सीन के 45 लाख डोज का कार्यादेश जारी कर दिया गया है।

जोबट में वॉलेंटियर्स द्वारा एंबुलेंस वाहन भेंट-प्रदेश भर में कोरोना वॉलेंटीयर्स की संख्या अब 1 लाख 8 हजार 375 से भी अधिक हो गयी है। सभी वॉलेंटीयर्स सरकार के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर कोविड नियंत्रण में जन-जागरूकता के कार्यों में अहम योगदान दे रहे हैं। अलीराजपुर जिले में 1616 वॉलेंटियर्स का पंजीयन किया गया है। जिले के विकासखण्ड जोबट में वॉलेंटियर्स द्वारा नगरवासियों को सर्व-सुविधा युक्त एंबुलेंस वाहन भेंट किया गया है। एंबुलेंस से हाल ही में ऑक्सीजन के 7 सिलेंडर इंदौर से जोबट पहुँचाये जा सके।

जीवन अमृत योजना

जीवन अमृत योजना- में 8 अप्रैल 2021 से अब तक प्रति परिवार 1 लाख 16 हजार 979 काढ़े के पैकेट वितरित कर 2 लाख 92 हजार 448 लोगों को लाभान्वित किया गया है।

योग से निरोग कार्यक्रम-कोरोना संकट काल में राज्य सरकार ने नवाचार कर योग से निरोग कार्यक्रम प्रारंभ किया है। प्रदेश अब तक 2,918 योग प्रशिक्षक पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें से 2 हजार 531 योग प्रशिक्षकों की 25 हजार 233 होम आइसोलेटेड मरीजों के साथ मैपिंग की गयी।वर्तमान में कुल 2,390 योग प्रशिक्षक 15 हजार 146 होम आईसोलेटेड मरीजों को योगाभ्यास आदि ऑनलाइन करवा रहे हैं।

महत्वपूर्ण निर्णय-राज्य सरकार ने संकट की इस घड़ी में किसान भाइयों को खरीफ 2020 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 31 मई किये जाने संबंधी आदेश जारी कर दिया है।कोविड महामारी से आम जनता को हो रही परेशानी को देखते हुए राज्य शासने ने दस्तावेजों के पंजीयन के लिए वर्ष 2021 की प्रभावी बाजार मूल्य गाईडलाईन की समयावधि को 30 जून 2021 तक बढ़ाये जाने के आदेश जारी किया गया हैं।

कोरोना संक्रमित क्षेत्रों की वेरीगेटिंग जारी, कई इलाके सील

शिवपुरी। कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए नगरीय क्षेत्र में अधिक संक्रमण वाले विभिन्न वार्डों में क्षेत्र विशेष को वेरीगेटिंग कर सील किया जा रहा है, जिससे इन संक्रमित क्षेत्रों में लोगों की अनावश्यक आवाजाही को रोका जा सके। शहर के वार्डो को वेरीगेट्स और जालियां लगाकर बंद किया जा रहा है। जिले की कोविड-19 नियंत्रण प्रभारी मंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया के सुझाव व क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की सहमति के बाद शिवपुरी कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने उक्त आशय का निर्णय लिया है कि गत 2 दिन में शिवपुरी शहर के कई स्थानों को बैरिकेटिंग कर सील किया गया है।

सील किए जाने वाले स्थानों में सिद्धेश्वर कॉलोनी मुख्य मार्ग, सईसपुरा मुख्य मार्ग से चिलोद तक, पुरानी शिवपुरी बड़ा बाजार क्षेत्र, पटकुई मोहल्ला पुरानी शिवपुरी, सदर बाजार स्कूल से मोतीलाल डेयरी वाला रोड, हंस बिल्डिंग के पास डॉक्टर शांता क्लीनिक से अनाज मंडी रोड का रास्ता भी ब्लॉक कर दिया गया है। न्यू ब्लॉक नरहरी प्रसाद चौराहा से गांधी चौक पहुंच मार्ग को भी सील किया गया है, इसके अलावा कोर्ट रोड पर भी आवाजाही सीमित क्षेत्र में

प्रतिबंधित क्षेत्रों में आवाजाही पर होगी कड़ी कार्यवाही

प्रतिबंधित कर दी गई है। सदर बाजार गली को भी अधिकांश हिस्से में बंद कर दिया गया है। गर्ल्स स्कूल से टेकरी रोड पर वेरीगेट्स लगाए गए हैं।

कोविड-19 संक्रमण जहां अधिक पाया जा रहा है, उन क्षेत्रों को सील किया जा रहा है। इस क्रम में हाउसिंग बोर्ड मेडिकल कॉलेज कॉलोनी को बंद कर दिया गया है। सहगल टेंट हाउस से बाईपास मार्ग पर भी वेरीगेट्स लगाए गए हैं, सोन चिरैया मार्ग पर भी क्षेत्र विशेष में आवाजाही अब प्रतिबंधित रहेगी। इनके अलावा अन्य क्षेत्रों को भी चिन्हित कर सील किया जा रहा है, इन क्षेत्रों से किसी भी व्यक्ति के अनावश्यक बैरिकेट्स हटाकर बाहर आने अथवा अंदर प्रवेश करने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध धारा 188 के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर जुर्माने की कार्यवाही भी की जाएगी जिसमें 2000 का जुर्माना अधिरोपित किया जा सकता है। केवल चिकित्सकीय उद्देश्य से ही सीमित आवाजाही को ही अनुमति दी जाएगी। इन स्थानों पर प्रशासन आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर भी ध्यान दे रहा है। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल, एसडीएम अरविंद बाजपेई, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गोविंद प्रसाद भार्गव और यातायात प्रभारी रणवीर यादव सहित तमाम अधिकारी इस प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से अमल में लाने के लिए मॉनिटरिंग में जुट गए है।

कोरोना संक्रमित क्षेत्रों की वेरीगेटिंग जारी, कई इलाके सील

शिवपुरी। कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए नगरीय क्षेत्र में अधिक संक्रमण वाले विभिन्न वार्डों में क्षेत्र विशेष को वेरीगेटिंग कर सील किया जा रहा है, जिससे इन संक्रमित क्षेत्रों में लोगों की अनावश्यक आवाजाही को रोका जा सके। शहर के वार्डो को वेरीगेट्स और जालियां लगाकर बंद किया जा रहा है। जिले की कोविड-19 नियंत्रण प्रभारी मंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया के सुझाव व क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की सहमति के बाद शिवपुरी कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने उक्त आशय का निर्णय लिया है कि गत 2 दिन में शिवपुरी शहर के कई स्थानों को बैरिकेटिंग कर सील किया गया है। सील किए जाने वाले स्थानों में सिद्धेश्वर कॉलोनी मुख्य मार्ग, सईसपुरा मुख्य मार्ग से चिलोद तक, पुरानी शिवपुरी बड़ा बाजार क्षेत्र, पटकुई मोहल्ला पुरानी शिवपुरी, सदर बाजार स्कूल से मोतीलाल डेयरी वाला रोड, हंस बिल्डिंग के पास डॉक्टर शांता क्लीनिक से अनाज मंडी रोड का रास्ता भी ब्लॉक कर दिया गया है। न्यू ब्लॉक नरहरी प्रसाद चौराहा से गांधी चौक पहुंच मार्ग को भी सील किया गया है, इसके अलावा कोर्ट रोड पर भी आवाजाही सीमित क्षेत्र में प्रतिबंधित कर दी गई है। सदर बाजार गली को भी अधिकांश हिस्से में बंद कर दिया गया है।

कलेक्टर ने फायर एण्ड इलैक्ट्रीकल सैफ्टी समिति का किया गठन

श्योपुर। कोविड-19 के सक्रमण की बढती दर को देखते हुए जिलान्तर्गत संचालित कोविड केयर सेंटरो एवं जिला चिकित्सालय में बडी मात्रा में मरीजो की आवाजाही देखी जा रही है, जिससे जिला चिकित्सालय एवं कोविड केयर सेंटरो पर अग्नि/ विद्युत सुरक्षा संबंधी जांच एवं उपाए किए जाने हेतु कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने जिला स्तर पर फायर एण्ड इलैक्ट्रीकल सैफ्टी समिति का गठन किया है। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने फायर एण्ड इलैक्ट्रीकल सैफ्टी समिति में डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण भिण्ड श्री विजय राय को अध्यक्ष बनाया है। इसी के साथ सदस्य के रूप में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भिण्ड श्री उदयसिंह सिकरवार, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग भिण्ड श्री केके शर्मा, अधीक्षण यंत्री म.प्र.विद्युत मण्डल भिण्ड श्री दिनेश सुखीजा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी भिण्ड श्री सुरेन्द्र शर्मा, एसडीओ ईएण्डएम भिण्ड श्री अमित शर्मा, फायर ऑफीसर मालनपुर श्री सतीश चतुर्वेदी, आरएमओ जिला चिकित्सालय श्री आरएन राजौरिया एवं नेशनल हैल्थमिशन भिण्ड के सव इंजीनियर श्री अमित शाक्य को शामिल किया गया है। उक्त समिति जिला चिकित्सालय एवं जिलान्तर्गत संचालित समस्त कोविड केयर सेंटरो का भ्रमण कर कोविड प्रोटोकॉल के अन्तर्गत अग्नि/विद्युत सुरक्षा संबंधी मानको की जांच करेंगी तथा आवश्यक होने पर उनमें सुधार इत्यादि किया जाना सुनिश्चित करेंगी।

स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग के लिये गाँव-गाँव दी जा रही है दस्तक

9 मई तक जारी रहेगा किल-कोरोना अभियान-2रू मुख्यमंत्री श्री चौहान

श्योपुर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में गाँव-गाँव और घर-घर जाकर स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग के लिये किल-कोरोना अभियान-2 चलाया जा रहा है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ संक्रमण की दर अधिक है, वहाँ प्राथमिकता से सर्वे टीम पहुँच कर संभावित मरीजों की पहचान कर रही है। गत 24 अप्रैल से प्रारंभ हुए किल-कोरोना अभियान-2 के लिये 15 हजार 308 सर्वे टीमें गठित की गयी हैं। सर्वे टीमों द्वारा अभी तक 2 करोड़ 29 लाख 51 हजार 135 से अधिक जनसंख्या का सर्वे पूरा कर लिया गया है। सर्वे के दौरान 84 हजार 148 से अधिक संभावित मरीजों के सैम्पल लिए गये हैं। अभियान 9 मई तक चलेगा।

94.62 प्रतिशत ग्राम पंचायतो ने लिया कोरोना-कर्फ्यू का संकल्प-प्रदेश की 22 हजार 811 ग्राम पंचायतों में से 21 हजार 584 ग्राम पंचायतों ने जनता कोरोना कर्फ्यू लगाने का संकल्प लिया है, जो कुल पंचायतों की लगभग 94.62 प्रतिशत है। अत्यावश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी और निजी कार्यालय 10 प्रतिशत उपस्थिति के साथ संचालित हो रहे है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक खेल, शैक्षणिक, सार्वजनिक कार्यक्रम और मनोरंजन की गतिविधियों आयोजित करने के लिए लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबन्ध रखा गया है।

80 लाख से अधिक का हुआ टीकाकरण-प्रदेश में टीकाकरण का कार्य भी जारी है। अब तक प्रदेश के हेल्थ वर्कर्स फ्रंट लाईन वर्कर्स, वरिष्ठ नागरिक एवं 45 वर्ष से अधिक के लगभग 80 लाख 69 हजार से अधिक लोगों का टीकाकरण हो चुका है। प्रदेश के 3 करोड़ 22 लाख से अधिक नागरिकों को टीका लगेगा। सरकार इस कार्य पर लगभग 2710 करोड़ रुपये खर्च करेगी। कोविशील्ड वैक्सीन के 45 लाख डोज का कार्यादेश जारी कर दिया गया है।

जोबट में वॉलेंटियर्स द्वारा एंबुलेंस वाहन भेंट-प्रदेश भर में कोरोना वॉलेंटीयर्स की संख्या अब 1 लाख 8 हजार 375 से भी अधिक हो गयी है। सभी वॉलेंटीयर्स सरकार के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर कोविड नियंत्रण में जन- जागरूकता के कार्यों में अहम योगदान दे रहे हैं। अलीराजपुर जिले में 1616 वॉलेंटियर्स का पंजीयन किया गया है। जिले के विकासखण्ड जोबट में वॉलेंटियर्स द्वारा नगरवासियों को सर्व-सुविधा युक्त एंबुलेंस वाहन भेंट किया गया है। एंबुलेंस से हाल ही में ऑक्सीजन के 7 सिलेंडर इंदौर से जोबट पहुँचाये जा सके।

जीवन अमृत योजना-जीवन अमृत योजना में 8 अप्रैल 2021 से अब तक प्रति परिवार 1 लाख 16 हजार 979 काढ़े के पैकेट वितरित कर 2 लाख 92 हजार 448 लोगों को लाभान्वित किया गया है।

योग से निरोग कार्यक्रम-कोरोना संकट काल में राज्य सरकार ने नवाचार कर योग से निरोग कार्यक्रम प्रारंभ किया है। प्रदेश अब तक 2,918 योग प्रशिक्षक पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें से 2 हजार 531 योग प्रशिक्षकों की 25 हजार 233 होम आइसोलेटेड मरीजों के साथ मैपिंग की गयी।वर्तमान में कुल 2,390 योग प्रशिक्षक 15 हजार 146 होम आईसोलेटेड मरीजों को योगाभ्यास आदि ऑनलाइन करवा रहे हैं।

महत्वपूर्ण निर्णय-राज्य सरकार ने संकट की इस घड़ी में किसान भाइयों को खरीफ 2020 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 31 मई किये जाने संबंधी आदेश जारी कर दिया है।कोविड महामारी से आम जनता को हो रही परेशानी को देखते हुए राज्य शासने ने दस्तावेजों के पंजीयन के लिए वर्ष 2021 की प्रभावी बाजार मूल्य गाईडलाईन की समयावधि को 30 जून 2021 तक बढ़ाये जाने के आदेश जारी किया गया हैं।

सम्पादकीय

परिपक्व रुख की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को चेताया है कि वे नागरिकों को अपनी तकलीफें सार्वजनिक करने के लिए प्रताड़ित न करें। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने ऐसी खबरों का खुद ही संज्ञान लिया है, जिनके मुताबिक राज्य सरकारें उन लोगों या संस्थानों को सजा देने की बात कर रही हैं, जो इलाज न मिलने या ऑक्सीजन की कमी होने की बात सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने खुद भी सवाल उठाया है कि मरीजों या उनके परिजनों को दवाओं के लिए यहां-वहां क्यों भटकना पड़ रहा है? दरअसल, कोविड-19 में इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाएं आयात होती हैं और अचानक उनकी जरूरत बढ़ जाने पर आयात बढ़ाने व वितरण सुनिश्चित करने जैसे कदम उठाने में देर हो गई। यह सही है कि मीडिया या सोशल मीडिया पर कभी कुछ सनसनीखेज या भ्रामक बातें आ जाती हैं, लेकिन ऐसी बातों को रोकने के लिए अगर गैर-जरूरी सख्ती दिखाई जाती है, तो इससे नुकसान ज्यादा होता है। इससे एक तो लोग अपनी वास्तविक तकलीफ भी बताने से डर सकते हैं और इस बात की आशंका भी बढ़ जाती है कि प्रशासन में बैठे लोग ऐसे आदेशों का दुरुपयोग अपनी कमजोरी छिपाने के लिए कर सकते हैं। मीडिया या सोशल मीडिया पर संवाद के जरिए सूचना व सहायता का जो स्वतःस्फूर्त तंत्र विकसित हुआ है, वह कई तरह से लोगों की मदद कर रहा है और एक मायने में प्रशासन का हाथ भी बंटा रहा है। इसलिए उसे हतोत्साहित करना ठीक नहीं है। दुनिया तेजी से बदल रही है, लेकिन प्रशासन के कई तौर-तरीके पुराने हैं। मसलन, यह पुरानी सोच है कि कोई आपदा आए, तो सूचना को नियंत्रित करने के बारे में सोचा जाए, जैसे सौ साल पहले युद्ध या महामारी के दौर में तुरंत सेंसरशिप लगा दी जाती थी। पहले महायुद्ध के आखिरी दौर में सेंसरशिप की वजह से ही स्पेनिश फ्लू की खबरें प्रचारित नहीं हो पाईं और वह फैलती चली गई। बाद में भी सूचनाओं की कमी की वजह से उसके बारे में जानकारी जुटाना मुश्किल बना रहा और इसीलिए उसे 'भूला दी गई महामारी' की संज्ञा मिली। उस दौर में तो सूचना के साधन कम थे, इसलिए उन्हें नियंत्रित करना आसान था, लेकिन सूचना क्रांति के बाद यह काम व्यावहारिक रूप से भी बहुत कठिन है। वैसे भी, आधुनिक इतिहास से यही समझ आता है कि ऐसे नियंत्रण से नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि पाबंदी होती है, तो बेसिर-पैर की अफवाहों का खतरा बढ़ जाता है, जो ज्यादा घातक हो सकती हैं। खास तौर पर महामारी जैसी आपदा के दौर में पारदर्शिता और जनता को विश्वास में लेना सबसे अच्छी नीति है। इस आपदा से सरकार और जनता को मिलकर निपटना है, और अगर दोनों में विश्वास का रिश्ता होगा, तो यह सहयोग ज्यादा पुख्ता होगा। यह सही है कि लोग बहुत तकलीफ में हैं और उनकी तकलीफ सरकारों के प्रति गुस्से के रूप में फूट रही है। लेकिन परिपक्व प्रशासकों को इसे बर्दाश्त करना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि लोग सरकार से नाराज हैं, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि उनका सरकार या व्यवस्था से भरोसा उठ चुका है। यदि सरकारें अपनी गलतियों या सीमाओं को स्वीकार करती हैं और जनता के गुस्से को स्वाभाविक मानकर बर्दाश्त करती हैं, तो इससे स्थिति सुधारने में सहयोग मिलेगा। जो हमारा साझा संकट है, उससे इसी तरह पार पाया जा सकता है।

बैरागी बनारस की आंखों में ये कैसी नमी है?

पिछले एक सप्ताह में पांच ऐसे लोगों की अंत्येष्टि करा चुका हूं, जो जिंदा रहते बड़े-बड़े पदों पर तैनात थे, मगर कोरोना से मृत्यु के बाद उनके अपने भी शव के साथ खड़े नहीं हुए।'राहत की बात है। मौजूदा माहौल में भी सेवाभावी बेखौफ मानवता की सेवा कर रहे हैं। लावारिस हों या ठुकराए हुए, अमीर हों या फटेहाल जिंदगी गुजारनेवाले, ऐसे लोगों के लिए हर इंसान मायने रखता है। वे निकल पड़ते हैं, बीमारों की सेवा के लिए, पार्थिव के सम्मानजनक संस्कार के लिए। सेवा के लिए सदा उद्यत रहनेवाला एक और नाम ऋषि पांडेय का है। चार साल पहले बीमार मां को अस्पताल दिखाने ले गए ऋषि ने लावारिस मरीजों की दुर्दशा देखी, तो उनका मन द्रवित हो गया। तब इंटर के छात्र रहे ऋषि ने उनकेलिए कुछ करने की ठानी। ऋषि ने अपने मोहल्ले की कोविड पीड़ित महिला संन्यासी के निधन के बाद अंतिम संस्कार हरिश्चंद्र घाट पर कराया, जबकि महिला केप्रति श्रद्धाभाव रखनेवाले लोगों में कोई सामने नहीं आया। बीते 70 साल से हरिश्चंद्र घाट की अगिन (मोक्षाग्नि) अगोर रहे डोमराजा परिवार के वंशज राधेश्याम चौधरी की आंखों में आंसू पहली बार लोगों ने देखे हैं। चौधरी के बड़े बेटे बहादुर चौधरी बताते हैं कि `यही बाऊ हऊवन जे ढोल नगाड़े के संगे आवेवाली हर मट्टी (शव) के कन्हवारन (अर्थी को कंधा देनेवाले) के संगे रकम के शर्त रखके नाच नचावत रहलन।'

मृत्यु पर उत्सव मनानेवाली काशी की आंखों में आज नमी है। मोक्ष के द्वार तक पहुंचाने की मान्यतावाली नगरी के उस समाज में भी गहरी वेदना है, जो शवों की तादाद को अपने पेशे के उतार-चढ़ाव से जोड़ता रहा है। जब चेचक और कालरा फैला था, तब दोनों श्मशान मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शवों की कतारें लग गई थीं। लेकिन इतनी नहीं, जितनी आज दिखाई दे रही हैं। आम दिनों में मणिकर्णिका घाट पर जहां 60-70 तथा हरिश्चंद्र घाट पर 20-25 शवों के संस्कार होते थे, कोरोना महामारी के दौरान यह तादाद क्रमशः 200-250 और 150-200 हो गई है। पांच से आठ घंटे की प्रतीक्षा और दिल दहला देनेवाले माहौल के बीच प्रशासन ने शहर के बाहर तीन अस्थाई शवदाह स्थल बनवा दिए हैं। नतीजतन मध्य आबादी में स्थित इन श्मशानों पर दबाव कुछ कम हुआ है, लेकिन उनका क्या, जो मानते हैं कि मोक्ष तो मणिकर्णिका या हरिश्चंद्र घाट पर ही मिलेगा। उन्हें आठ से दस घंटे का इंतजार अब भी गवारा है। बनारस में ऐसे लोग भी हैं, जो जान जोखिम में डालकर सेवा करने में जुटे हैं। शवों के संस्कार में जुटे ऐसे ही एक सामाजिक कार्यकर्ता अमन कबीर कहते हैं, 'कभी नहीं सोचा था कि जो लावारिस नहीं हैं, उनको भी लावारिसों की तरह छोड़ दिया जाएगा। पिछले एक सप्ताह में पांच ऐसे लोगों की अंत्येष्टि करा चुका हूं, जो जिंदा रहते बड़े-बड़े पदों पर तैनात थे, मगर कोरोना से मृत्यु के बाद उनके अपने भी शव के साथ खड़े नहीं हुए।'राहत की बात है। मौजूदा माहौल में भी सेवाभावी बेखौफ मानवता की सेवा कर रहे हैं। लावारिस हों या ठुकराए हुए, अमीर हों या फटेहाल जिंदगी गुजारनेवाले, ऐसे लोगों के लिए हर इंसान मायने रखता है। वे निकल पड़ते हैं, बीमारों की सेवा के लिए, पार्थिव के सम्मानजनक संस्कार के लिए। सेवा के लिए सदा उद्यत रहनेवाला एक और नाम संन्यासी के निधन के बाद अंतिम संस्कार हरिश्चंद्र घाट पर कराया, जबकि महिला केप्रति श्रद्धाभाव रखनेवाले लोगों में कोई सामने नहीं आया। बीते 70 साल से हरिश्चंद्र घाट की अगिन (मोक्षाग्नि) अगोर रहे डोमराजा परिवार के वंशज राधेश्याम चौधरी की आंखों में आंसू पहली बार लोगों ने देखे हैं। चौधरी के बड़े बेटे बहादुर चौधरी बताते हैं कि 'यही बाऊ हऊवन जे ढोल नगाड़े के संगे आवेवाली हर मट्टी (शव) के कन्हवारन (अर्थी को कंधा देनेवाले) के संगे रकम के शर्त रखके नाच नचावत रहलन।'

बहादुर कहते हैं, 'आज वही बूढ़े चौधरी अपनी आंखों के सामने कीट-पतंगों की तरह लाशें जलती देख, शोक से निढाल हैं। वेदना ऐसी कि बीते 15-20 दिनों से निवाला मुहाल है।' खुद राधेश्याम बताते हैं कि 1960 के दशक में जब चेचक का प्रकोप हुआ था, तब परिवार के परिवार साफ हो गए थे। फिर भी लाशों का रेला 50-60 से ऊपर उस दौर में भी नहीं गया। आज 100-100 शवों की कतार लग रही है, तो धीरज साथ छोड़ने लगा है। घाट पर चारों ओर बस रुदन और क्रंदन है। पिछले सप्ताह श्मशानों पर सबसे ज्यादा दबाव था, तब पड़ोसी जिला गाजीपुर, बलिया, मिर्जापुर और चंदौली से डोम परिवारों के 10 लोगों को मदद के लिए बुलाना पड़ा था। काशी का पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बिहार से शैक्षणिक व व्यावसायिक रिश्ता काफी पुराना रहा है, लेकिन गुजरे दशक में सुविधासंपन्न अस्पतालों की लंबी शृंखला ने बीएचयू अस्पताल के एकाधिकार को चुनौती दी है। कोरोना संक्रमण काल में इन अस्पतालों ने अपनी अलग भूमिका स्थापित की है। बेहतर रिकवरी रेट का प्रचार भरपूर किया गया, लिहाजा यहां बिस्तर, वेंटिलेटर पलक झपकते भर जा रहे हैं। यहां पहुंचने वाले बड़े शहरों के लोग भी हैं, जो अपने यहां बेड न मिलने की स्थिति में काशी का रुख कर लेते हैं। आज दहला देने वाले महौल के बीच डोमराजा परिवार के वरिष्ठ सदस्य 80 वर्षीय राधेश्याम चौधरी कहते हैं, 'अपनी जिंदगी में पहली बार ऐसी स्थिति देख रहा हूं। बाबा (महादेव) से रोज यही कामना करता हूं कि त्राहिमाम... अब बस करो भगवान।

चिड़ियों की बातें

सहम गए यूँ सारे पक्षी।
चीं चीं करना छोड़ दिये।।
मानव के हालात देखकर।
रब से रिश्ता तोड़ दिये।।
एक डाल पर बैठे सारे।
मन ही मन क्या सोच रहें।
भूख लगी है फिर भी देखो।
जाने से संकोच रहें।।
फैल रहा है कहर शहर में।
हर तरफ मौत साया है।
पक्षी सारे सहम गये है।
ये कैसा दिन आया है।।
एक दुजे को देख देख कर।
अपनी भाषा बोल रहें।
मिल कर बैठे सारे साथी।
उलझन सारी खोल रहें।।

रचनाकार
प्रिया देवांगन प्रियू
पंडरिया
जिला - कबीरधाम
छत्तीसगढ़

कुंदन तपकर पावक में

कुंदन तपकर जब पावक में
गढ़ता है जब रूप नया।
चमक कांति आभा फैलाता

पाकर सुंदर सा रूप नया ।।
कण कण जोड़ बना कनक वो
चोट खाया सुनार का खास।
कभी तपाता अनल उसे फिर
ठंडा करता अनिल हीं खास।।
अनल अनिल के इस मेलजोल का
कनक उठाता बहुत ही लाभ।
कभी चमकता माँग बन टीका
या शोभित फिर गर्दन बन हार।।
तप घिस कर हीं सोना फिर
पहचान बनाता जग में खास।
बिना घिसे तो किसी अंधेरे
तिजोरी का बस शोभा हीं खास।।
कुंदन सा निखार लाने को
तपाना अपने तन को खास।
समय समय पर अपने मन को
तपाना मन को सच के भट्ठी में
खास।।
कुंदन सा खुद को चमकाना
और भरना सुगंध भरमार।
अरीजन परिजन सगे संबंधी
सबमें भरना सुगंध भरमार।।
कहाँ पता फिर कुंदन बनकर
बन जाएं कभी देव सृंगार ।
या फिर देश धर्म के लिए जरूरत
काम आ जाएं फिर अबकी बार।।

श्री कमलेश झा
फरीदाबाद

क्राइस्ट अकॅडेमी विद्यालय द्वारा आयोजित महाराष्ट्र दिन का शानदार ऑनलाईन समारोह

डॉ पूजा अलापुरिया
7738788310

नवी मुंबई कोपरखैरने, के क्राइस्ट अकॅडेमी विद्यालय में भी महाराष्ट्र दिन का शानदार ऑनलाईन समारोह आयोजित किया था। शिक्षकों के मार्गदर्शन द्वारा विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रम सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए द्य समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री. फादर जैसन वाडक्केथला जी ने की. छात्रों ने महाराष्ट्र दिवस की विशेषता और महत्त्व बताते हुए तथा 01 मई को क्यों मनाया जाता है, पर अपने विचार व्यक्त किए । विद्यालय के कुछ छात्रों ने महाराष्ट्र की पारंपरिक वेशभूषा धारण कर महाराष्ट्र की संस्कृति का महत्त्व समझया। कई छात्रों ने महाराष्ट्र की अलौकिक हस्तियों जैसे सावित्री बाई फुले, लोकमान्य टिळक आदि की वेशभूषा धारण की और व्याख्यान दिया। काफी संख्या छात्रों ने महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर दिव्यांग विषय पर सकारात्मक विचार व्यक्त करते हुए पोस्टर बनाए। शिवाजी महाराज के पोवाडो के साथ सुबह दस बजे महाराष्ट्र दिवस का यह शानदार समारोह समाप्त हुआ ।

स्वरा
कक्षा 10वीं (सी)
क्राइस्ट अकॅडेमी स्कूल एंड जूनियर कॉलेज, कोपरखैरणे, नवी मुंबई।

देश जो कल था, आज है, वही आगे दिख रहा है!

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त', मो. नं. 73 8657 8657

कभी-कभी जब मैं देशभक्ति के रस से सराबोर हो जाता हूँ तब कुछ टीका-टिप्पणी युक्त कविता लिख देता हूँ। ऐसी ही मैंने एक कविता कल लिखी थी जिसकी पहली और दूसरी पंक्ति थी...चहूँ दिशा में विकास का परचम फहर रहा है...हाँ-हाँ हमारा देश बदल रहा है। यह कविता छंदोबद्ध है या नहीं इसकी समीक्षा कवि ही करें। मैं इसमें हस्तक्षेप करना नहीं चाहता। वैसे भी देश में विकास अपने चरम पर है। पहले लोग लाभकारी योजनाओं को पाने के लिए लाइन में धक्का-मुक्की करते थे, अब तो मरने के बाद भी अंतिम संस्कार के लिए लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। यह विकास नहीं तो और क्या है!

आगे मैंने कविता को बढ़ाते हुए लिखा...चूल्हों से धुआँ अब हट रहा है, देश का पेट भर रहा है। मैंने इन पंक्तियों की टीका-टिप्पणी करते हुए पाया कि सच में हमारे देश में लड़कियाँ खाना कम मोबाइलों पर समय अधिक खा रही हैं। लड़के दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। पुलिस रिश्वत खा रही है। नेता रिश्वत खा रहे हैं और किसान जहर। अब आप ही बताइए कि देश के सभी लोग कुछ-न-कुछ खा रहे हैं या नहीं? इससे यह स्पष्ट होता है कि देश का पेट भरा हुआ है। देश का पेट तभी भरा होता है जब देश पढ़ा-लिखा होता है। इसी पर मैंने कविता की अगली दो पंक्तियाँ बनाईं...देश खूब पढ़-लिख रहा है...जन-जन रोजगार कर रहा है। इन पंक्तियों में मैंने पाया कि इस देश में असंभव नाम की कोई चीज् नहीं है। यहाँ कोई झाड़ू मारकर मुख्यमंत्री बन जाता है तो कोई चाय बेचकर देश का प्रधान। डिग्री, डिप्लोमाधारी सभी फेसबुक, वाट्सप, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर व्यस्त हैं। उन्हें मच्छर मारने तक की फुर्सत नहीं है। अब आप ही बताइए क्या हमारे देश में कहीं बेरोजगारी दिखाई दे रही है? बिल्कुल नहीं। दुनियाभर में सबसे अधिक रोजगार तो यहीं पड़े हैं।

कविता लिखते-लिखते मन में आया क्यों न देश के अलग-अलग मुद्दों पर लिखूँ। इस पर मैंने लिख डाला...गाँव शहर सा बन रहा है...देश की सोच बदल रहा है। अब आप पूछेंगे कि देश में ऐसे क्या परिवर्तन हो चले हैं कि मुझे उपर्युक्त पंक्तियाँ लिखनी पड़ीं। अरे भाई! हमारे जेब में फूटी-कौड़ी नहीं है, फिर भी गाँव से लेकर शहर भर के लोग बैंक में खाते पर खाते खोले जा रहे हैं। सर ढकने के लिए छत नहीं है लेकिन शौचालय पर शौचालय ठोके जा रहे हैं। गाँवों में बिजली हो न हो किंतु चारों ओर डिजिटल का गुण गाये जा रहे हैं। गाँव से लेकर शहर भर के लोग धर्म के कीचड़ में लोट रहे हैं, और सड़कों पर स्वच्छ भारत के नारे लगाए जा रहे हैं। हमारी गौएँ हाईवे पर आए दिन मरती जा रही हैं, और हम है कि गौरक्षा के नाम पर मार या मारे जा रहे हैं। गाँव से लेकर शहर तक गली से लेकर कॉलोनी तक डेटा की कीमत घट रही है और आटे की कीमत बढ़ रही है। यह सब देखकर मेरा मन तो क्या आप सभी का मन गद्गद् हो रहा होगा।

कविता की अंतिम पंक्तियों में मैंने अपनी जान लगा दी। मैंने लिखा...अंध-विश्वास का पर्दा तेजी से छट रहा है... हमारा देश अब बदल रहा है...। पंक्तियाँ लिखते समय विचार आया कि क्या सच में देश से अंधविश्वास का पर्दा छटा है, तो मैंने पाया आज दुनियाभर के देश 5जी, 7जी और 10 जी के प्रयास में लगे हैं और हम यहाँ वाट्सप के 5, 7 और 10 समूहों में आस्था के नाम पर फलाँ-फलाँ के नाम मैसेज करके मुफ्त रीचार्ज की प्रतीक्षा में खड़े हैं। अब समय ऐसा आ गया है कि बदलते देश की रूपरेखा निरंतर प्रचार-प्रसार के माध्यमों से आंकी जा रही है। समाचार-पत्रों, टी.वी. चैनलों, सामाजिक माध्यमों में हँसते किसान को देखकर समझ जाना चाहिए कि वह कितना प्रसन्न है! लड़कियों की सुरक्षा के लिए टोल फ्री नंबर खुल गए हैं। अब और क्या चाहिए! अब तो देश की सभी लड़कियों की सुरक्षा इसी टोल फ्री नंबर के हाथ में है। यहाँ कोई बेरोजगार नहीं है। देश की जनसंख्या 130 करोड़ पार कर गई है और मोबाइलों की संख्या इससे दुगनी हो गई है। अब बताइए यदि बेरोजगारी होती तो क्या लोग मोबाइल रख पाते? बेरोजगारी, किसान आत्महत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार, आर्थिक मंदी ये सब विपक्ष की चोचलेबाजी है या तो उनकी जपमाला। उन्हें तो सरकार को लताड़ने के अलावा कोई दूसरा काम ही नहीं है। अब तक मैं अपनी कविता की पंक्तियों पर टीका-टिप्पणी करता रहा, अंत में मेरी कविता की पंक्तियाँ मुझ पर टीका-टिप्पणी करती हुई कहती हैं...

हे उरतृप्त! क्यों यह, बेकार की बातें लिख रहा है। देश जो कल था, आज है, वही आगे दिख रहा है।।

गांवों में बढ़ाएं सुविधा

महात्मा गांधी ने कहा था, भारत की आत्मा गांवों में निवास करती है। देश के विकास में ग्रामीण क्षेत्रों का बहुत बड़ा योगदान है। लेकिन आज भी कई ऐसी सुविधाएं हैं, जिनसे ग्रामवासी वंचित हैं। पिछली कोरोना लहर में हमने देखा कि मेडिकल सुविधा के अभाव में हजारों लोगों की जानें चली गईं। कोरोना की दूसरी लहर अब कहर ढा रही है, लेकिन स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर आज भी गांव वालों के पास कुछ भी नहीं। अभी लाखों की संख्या में दूसरे राज्यों में रह रहे लोग फिर अपने-अपने घर लौटेंगे, लेकिन नहीं मानते, तो मेरे ख्याल से देश की स्थिति इतनी भयावह न होती। हमें जाति, धर्म और क्षेत्रवाद को छोड़कर अब भविष्य में किसी विपदा से निपटने के लिए तैयार होना है? प्रकृति से खिलवाड़ बंद करना होगा।

चुनाव बनाम कोरोना-आज भी देश के कई हिस्सों में चुनाव हो रहे हैं, जिसके कारण कोरोना के नियमों की अनदेखी हो रही है। इससे देश की जनता को यही लग रहा है कि राजनीतिक दल सत्ता पाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं और अगर सरकार

बिना समुचित जांच और स्वास्थ्य सुविधा के इस बार स्थिति संभल पाएगी? बिहार सरकार से बस इतना अनुरोध है कि जब तक कोरोना संकट है, प्रत्येक पंचायत में कम से कम दो अस्थाई डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए, ताकि इमरजेंसी इलाज के वक्त उन्हें शहर की तरफ न भागना पड़े। समय पर डॉक्टर और मेडिकल सुविधा मिलने से काफी जानें बचाई जा सकती है।

जिम्मेदार कौन-देश के कोने-कोने से रोंगटे खड़े कर देने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं। कोविड मरीज को उचित समय पर अस्पताल में बेड नहीं मिल रहा और अगर बेड भी मिल गया, तो ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है। सैकड़ों शवों की कतारें लगी हुई हैं। इन सबके लिए कौन जिम्मेदार है? हम या सरकार? अगर मनुष्य होने के नाते हम अपने अंदर देखते और जुमलेबाजों की बातों को चाहती, तो ये चुनाव बाद में भी कराए जा सकते थे। लोगों के हिसाब से चुनाव कराना या न कराना सरकार के हाथ में है, जबकि ऐसा नहीं है, चुनाव कराने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होती है। आयोग को संविधान के अंतर्गत शक्तियां मिली हुई हैं, जिसमें सरकार का कोई अधिकार नहीं होता। यदि सरकार को चुनाव कराने या उसकी सीमा घटाने/बढ़ाने का अधिकार होता, तो कोई भी सत्ताधारी दल किसी न किसी बहाने से अपने कार्यकाल को आगे बढ़ा लेता, परंतु ऐसा नहीं है। देश में कोई भी सांविधानिक संस्था संविधान के अनुसार ही अपना कार्य करती है, यदि वह अपना कार्य संविधान के अनुसार नहीं करेगी, तो उसके लिए कोर्ट में जवाबदेह होना पड़ता है।

जडेजा का जादू-आईपीएल के 19वें मैच में जब विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और महेंद्र सिंह धौनी की चेन्नई सुपर किंग्स आमने-सामने आई, तब इस मैच में सर रवींद्र जडेजा ने अपनी खेल प्रतिभा से नायाब रोमांच भर दिया। चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से बल्लेबाजी करते हुए सर जडेजा ने अंतिम ओवर में पांच छक्कों के साथ 37 रन जड़ दिए। बाद में गेंदबाजी में भी जबर्दस्त कमाल दिखाया और तीन विकेट अपने नाम किए, फिर एक डायरेक्ट हिट मारकर एक रन आउट भी किया।

वो अब चल चुके हैं, वो अब आ रहे हैं

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी नाराज हैं- ऐसे कोरोनामय माहौल में भी अभिनेता-अभिनेत्रियां मालदीव पहुंच मौज-मस्ती के अपने फोटू सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। सोशल मीडिया पर फोटू डालकर वे यह भी उम्मीद करते हैं कि लोग उन्हें लाइक करेंगे। मैं खुद परेशान हूं। सोशल मीडिया पर ऑक्सीजन की खबरें देखता हूं, तो आ जाता है कि वनराज अनुपमा के साथ पिकनिक पर जाएगा- अनुपमा सीरियल में। जा भाई, तू जा शौक से जा, तेरी पिकनिक देखें कि लापता ऑक्सीजन की तलाश करें? तू दिखा दे, दिखाना तेरे अधिकार में है। लाइक मिलेंगे या नहीं, इस पर तेरा कोई दखल नहीं। दिखाधिकारेस्ते, मा लाइकेषु कदाचन। दरअसल, लाइक करने की मनःस्थिति होनी चाहिए। इस समय तो सिर्फ ऑक्सीजन-सिलेंडरों को लाइक किया जा सकता है। ऑक्सीजन-सिलेंडरों का हाल पहले इश्क जैसा हो गया है, मिनट-मिनट की खबर चाहिए। मुझे तो लगता है कि जिगर मुरादाबादी ने ऑक्सीजन-सिलेंडरों के लिए ही कहा था- ये कह कह के हम दिल को बहला रहे हैं, वो अब चल चुके हैं, वो अब आ रहे हैं। सिलेंडर लखनऊ से चल दिए हैं, दिल्ली पहुंचने वाले हैं। चचा गालिब भी विकट आईसीयू में पड़े कुछ कहते दिख रहे हैं इस टाइप से- हम वहां हैं जहां से हमको भी/ कुछ हमारी खबर नहीं आती। ऑक्सीजन-सिलेंडर के अलावा कुछ और लाइक करने की मनःस्थिति नहीं है।

यह वक्त भी कट जाएगा

कोरोना के कारण पूरी दुनिया में जैसी निराशा छाई हुई है, उसे देखते हुए एक कहानी याद आ रही है। एक राजा ने अपने सेनापति से कहा, दीवार पर कुछ ऐसा लिखो कि वह अच्छे और बुरे, दोनों वक्त में याद करने लायक हो। सेनापति ने लिखा, 'यह समय भी कट जाएगा।' एक व्यक्ति को नदी पार करनी थी, लेकिन उसके पास नाव नहीं थी। किसी ने उससे पूछा कि ऐसे में वह नदी कैसे पार करेगा? उस व्यक्ति ने कहा, नौका नहीं तो क्या, हौसले तो पास हैं। सुबह होते ही एक भिखारी किसी सज्जन के घर पर भिक्षा मांगने के लिए आया। दरवाजे पर हुई दस्तक को सुनकर वह सज्जन बाहर आए। मगर उनकी जेब में भिखारी को देने के लिए कुछ नहीं था। लिहाजा वह कुछ दुखी होकर घर के अंदर गए और एक बर्तन उठाकर भिखारी को दे दिया। भिखारी के जाने के थोड़ी देर बाद ही वहां उस सज्जन की पत्नी आई और बर्तन न पाकर चिल्लाने लगी- यह क्या कर दिया आपने? चांदी का बर्तन था, भिखारी को दे दिया? जल्दी जाओ, और उस भिखारी को रोककर बर्तन वापस लाओ। वह सज्जन दौड़ते हुए भिखारी के पास पहुंचे और उसे रोककर बोले- भाई, मेरी पत्नी ने मुझे अभी-अभी बताया है कि जो बर्तन मैंने आपको दिया था, वह चांदी का है। कृपया उसे सस्ते में मत बेचना। वहीं पर उस सज्जन के एक मित्र खड़े थे। उन्होंने पूछा- जब आपको पता चल गया था कि वह बर्तन चांदी का है, तब भी उसे क्यों ले जाने दिया? सज्जन ने कहा- मैंने मन को इस बात का अभ्यस्त बनाने के लिए उसे बर्तन ले जाने दिया कि बड़ी से बड़ी हानि में भी यह कभी दुखी और निराश न हो!

नोरा फतेही का फनी अंदाज आया फैन्स को पसंद, वीडियो हुआ वायरल

नोरा फतेही की गिनती बॉलीवुड के बेस्ट डांसर्स में होती है। नोरा न सिर्फ अपने दमदार डांस बल्कि अपनी बोल्ड अदाएं और क्यूट अंदाज से सभी का दिल जीत लेती हैं। नोरा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इस बीच नोरा का एक फनी वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

नोरा का फनी वीडियो वायरल-नोरा फतेही ने कुछ देर पहले ही इंस्टाग्राम पर एक फनी वीडियो शेयर किया है। नोरा के वीडियो को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। वीडियो में नोरा एक गाने पर फनी एक्सप्रेशन्स देती नजर आ रही हैं। वहीं वीडियो में नोरा के साथ भी नजर आ रहे हैं।

फैन्स को पसंद आ रहा है वीडियो-नोरा ने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, बुकिंग्स के लिए मौजूद, लॉकडाउन को हाइप अप करने के लिए... हैप्पी संडे। नोरा फतेही के वीडियो पर ढाई लाख से अधिक लाइक्स आ चुके हैं। वहीं करीब 2 कमेंट्स अभी तक वीडियो में हुए हैं। फैन्स नोरा के फनी अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। नोरा के इस वीडियो को कई सेलेब्स ने भी लाइक किया है।

हिट मशीन नोरा फतेही-गौरतलब है कि नोरा ने कई डांस वीडियोज में अपना दम दिखाया है। बैक टू बैक हिट सॉन्स देने के चलते नोरा को हिट मशीन भी कहा जाता है। वहीं बता दें कि अपने डांस के साथ ही नोरा बतौर अभिनेत्री भी अपना दम दिखा चुकी हैं। नोरा, वरुण धवन और श्रद्धा कपूर के साथ स्ट्रीट डांसर, सलमान खान के साथ भारत में नजर आ चुकी हैं। इसके साथ ही नोरा जल्दी ही अजय देवगन की फिल्म भुज- द प्राइड ऑफ इंडिया में भी नजर आएंगे।

कोरोना संक्रमित पत्नी रुबीना दिलैक के लिए शिमला नहीं जाएंगे अभिनव शुक्ला, बताया कारण

छोटे पर्दे की जानी-मानी एक्ट्रेस और रिएलिटी शो बिग बॉस 14 की विनर रुबीना दिलैक को लेकर बीते दिनों चौंकाने वाली खबर आई थी। उन्होंने कुछ लक्षण दिखने के बाद कोरोना टेस्ट करवाया था, जिसके बाद वो कोविड-19 संक्रमित पाई दई थीं। रुबीना ने इस बारे में खुद जानकारी दी थी। रुबीना ने बताया था कि उनके पति अभिनव शुक्ला उस वक्त मुंबई से बाहर गए थे। वहीं अब अभिनव ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया है कि वो मुंबई तो आए गए हैं लेकिन अपनी कोरोना पॉजिटिव पत्नी के पास शिमला नहीं जाएंगे। उन्होंने इसके पीछे का कारण भी बताया है।

अभिनव को नहीं थी जानकारी-रुबीना दिलैक ने अपनी कोविड जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद जानकारी देते हुए बताया था कि किसी प्रोजेक्ट के लिए मुंबई से बाहर गए अभिनव शुक्ला को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। वहीं अब अभिनव मुंबई लौट चुके हैं और उन्हें पत्नी के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बारे में पता चला है। इसे लेकर एक लीडिंग डेली से बात करते हुए अभिनव ने बताया है कि रुबीना शिमला में अपने घर में क्वारंटाइन में हैं, लेकिन वो उनसे मिलने शिमला नहीं जाएंगे। अभिनव का कहना है कि वहां जाने के कोई फायदा नहीं क्योंकि रुबीना से उन्हें मिलने नहीं दिया जाएगा।

अभी जाने का कोई मतलब नहीं है-इस इंटरव्यू में अभिनव ने कहा- मैं यहीं पर ही रहूंगा क्योंकि रुबीना अभी शिमला स्थित अपने घर में आइसोलेशन में आइसोलेटेड है। इसलिए वहां जाने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि कोई भी उससे अभी मिल नहीं पाऊंगा। उन्होंने कहा- पैनिक से किसी को कोई मदद नहीं मिलती, हम सभी को जानकारी होनी चाहिए कि इसे कैसे हैंडल करना है।

पैनिक नहीं करना है-अभिनव ने कहा कि अगर हम घबराएंगे तो हमारे आस-पास के लोग भी वैसा ही करने लगेंगे। हम सभी शॉकका पालन कर रहे हैं और ये बहुत जरूरी है। मैं उम्मीद करता हूं कि वो जल्द ही ठीक हो जाएगी। बता दें कि रुबीना ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक पोस्ट के जरिए ये जानकारी दी थी कि वो कोराना संक्रमित पाई गई हैं। वहीं इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि वो रिकवरी के 1 महीने बाद प्लाज्मा डोनेट करेंगी।

अनुष्का शर्मा ने नहीं मनाया बर्थडे

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने 1 मई को अपना 33वां जन्मदिन मनाया था। वहीं इस दौरान उन्हें सेलेब्रिटीज के साथ-साथ सोशल मीडिया के जरिए फैंस ने जमकर बर्थडें विशेज भेजी थीं। वहीं हाल ही में अपने सोशल एकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर फैंस की विशेज पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस वीडियो में खुलासा किया है कि इस साल उन्होंने अपना बर्थडे सेलीब्रेट नहीं किया है। इसके साथ ही अनुष्का ने काल में विराट कोहली के साथ एक मूवमेंट जल्द शुरू करने करने एलान कर दिया है। इस आंदोलन को लेकर उन्होंने अपने फैंस से एक खास अपील भी की है।

दर्द और संघर्ष के बीच नहीं मनाया बर्थडे-अनुष्का शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अनुष्का शर्मा कहती दिख रही हैं कि मैं उम्मीद करती हूं कि आप सभी सुरक्षित होंगे। मैं आपकी प्यारी बर्थडे विशेज पर शुक्रिया करना चाहती हूं। आपने मेरे दिन को वाकई खास बना दिया लेकिन ऐसे दर्द और संघर्ष के इस दौर में मुझे अपना बर्थडे मनाना सही नहीं लगा। लेकिन मैंने आप सबके स्पेशल बर्थडे मैसेज देखे और अब मेरे पास आपके लिए एक जरूरी मैसेज है।

मूवमेंट के बारे में दी जानकारी-इस वीडियो में अनुष्का बताती हैं कि- मैं आप सबसे अपील करना चाहूंगी कि एक साथ आकर देश की मदद के लिए खड़ें हों। मैं और विराट एक साथ अपनी तरफ से एक कोशिश करने जा रहे हैं। मैं जल्द ही आपके साथ इसकी डीटेल्स शेयर करूंगी ताकि आप सभी इस मूवमेंट से जुड़ सकें।

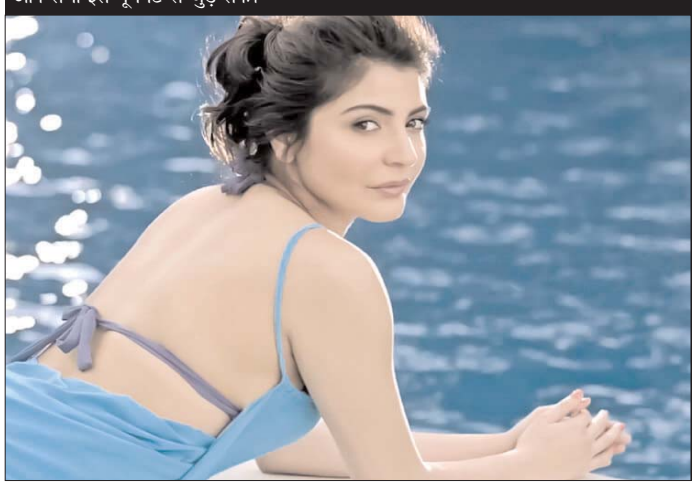

कोरोना ने तोड़ दिया... मां बनने को लेकर रो-रोकर भारती सिंह ने बयां किया दर्द, सोनू सूद भी हुए इमोशनल

कोरोना के बढ़ते कहर के बीच देश भर में हाहाकार मचा हुआ है, वहीं इस दौरान हर तरफ इस वायरस का कहर देखने को मिल रहा है। हाल ही में जानी-मानी कॉमेडियन भारती सिंह ने एक रिएलिटी शो पर रो-रोकर अपना डर बयां किया है। उन्होंने बताया कि किस तरह कोरोना ने उन्हें तोड़ दिया है, हर कोई ऐसे वक्त में परेशान है। भारती ने इस शो पर सोनू सूद, नोरा फतेही समेत कई लोगों के सामने मां बनने को लेकर भी कुछ ऐसा कह दिया है कि सभी की आंखों से आंसू छलक पड़े। भारती को उनके पति हर्ष लिंबाचिया संभालते दिखाई दिए।

एक मां की रियल लाइफ कहानी-दरअसल, भारती सिंह अपने पति हर्ष लिंबाचिया के साथ डांस रिएलिटी शो डांस दीवाने सीजन 3 होस्ट कर रही हैं। शो पर कई लोग कोरोना संक्रमित पाए गए थे। जिसके बाद शो की जज माधुरी दीक्षित की जगह इन दिनों अभिनेता सोनू सूद दिखाई दे रहे हैं। वहीं इस दौरान एक महिला कंटेस्टेंट ने बेहद भावुक परफॉर्मेंस दी। इस परफॉर्मेंस के दौरान कंटेस्टेंट ने एक ऐसी मां की रियल लाइफ कहानी को बयां किया, जिसके 14 दिन का बच्चा कोरोना की चपेट में आ गया था। वहीं इस परफॉर्मेंस के बाद भारती बेहद इमोशनल हो गई और रोते हुए भारती ने बताया कि वो बेबी प्लानिंग कर रही हैं लेकिन वो ऐसे दौर में मां बनने के लेकर बात भी नहीं करती क्योंकि वो ऐसे रोना नहीं चाहती हैं।

मैं ऐसे रोना नहीं चाहती-भारती ने कहा- हम बेबी प्लानिंग कर रहे हैं कि भविष्य में कभी करेंगे... ऐसी चीजें देखकर और ऐसी चीजें सोचकर मन ही नहीं करता कि इसे लेकर आपस में बात भी करें। क्योंकि मैं ऐसे रोना नहीं चाहती। भारती की ये बात सुनकर नोरा फतेही और सोनू सूद समेत शो पर मौजूद सभी लोगों की आंखों में आंसू आ जाते हैं और भारती तो फूट-फूट कर रो पड़ती हैं।

अबॉर्शन और सुसाइड की फेक न्यूज पर इलियाना डिक्रूज ने किया रिएक्ट

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज का नाम उन अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार है, जिन्होंने चाहें कम फिल्मों में काम किया हो, लेकिन अपनी अदाकारी से सभी का हर बार दिल जीता है। इलियाना डिक्रूज अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स के लेकर भी चर्चा में रहती हैं, हालांकि इस बार इलियाना उनके बारे में फैलीं फेक न्यूज पर अपनी बात रखी है।

अबॉर्शन की खबर सुन हंसी थीं इलियाना-दरअसल हाल ही में इलियाना से बॉलीवुड हंगामा ने खास बातचीत की, जिसमें पूछा गया कि क्या कभी कोई ऐसी फेक न्यूज रही है, जिसको सुनकर आप खूब हंसी हो। इस पर इलियाना ने कहा, वैसे तो कई रहीं, लेकिन एक थी जिसमें दावा किया गया था कि मैं प्रेग्नेंट हूं और अबॉर्शन करवाया है। मुझे ये देखकर काफी बुरा लगा कि लोग ऐसी बातें लोग सच में किसी के बारे में करते हैं। ये बहुत अजीब है।

सुसाइड की खबरों पर दिया रिएक्शन-इंटरव्यू में आगे इलियाना ने सुसाइड की एक फेक न्यूज पर भी रिएक्शन दिया। इलियाना ने कहा, अबॉर्शन के अलावा एक और खबर थी, जिसमें कहा गया था कि मैंने सुसाइड की कोशिश नहीं की है, बल्कि मैंने आत्महत्या कर ली है। इसके अलावा सबसे बड़े दुख की बात है कि रिपोर्ट में कहा गया था कि मैंने आत्महत्या की और मैं बच गई और मेरी मेड ने इस बात की पुष्टि भी की है। जबकि हकीकत तो है कि न मैंने आत्महत्या की कोशिश तक की, न मेरे घर में मेड है, मैं जिंदा हूं... इस सब का कोई मतलब ही नहीं था। मुझे समझ नहीं आता कि उन्हें इस तरह का मसाला कहां से मलिता है।

कोरोना काल में मास्क नहीं पहनने वालों का होता है क्या हाल, कार्तिक आर्यन ने फोटो शेयर कर बताया

कोरोना के कारण मुश्किल हालातों के बीच बॉलीवुड के कई सेलेब्रिटीज जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। सभी अपने-अपने तरीके से इस वायरस से लड़ाई में अपना योगदान दे रहे हैं। वहीं, इस बीच अभिनेता कार्तिक आर्यन ने इस महामारी से जंग जीतने के लिए मास्क की अहमियत समझाई है। उन्होंने सोशल एकाउंट पर अपनी एक तस्वीर के जरिए बताया है कि कोरोना काल में मास्क नहीं पहनने वालों क्या हाल होता है? कार्तिक द्वारा शेयर किया गया ये अवेयरनेस पोस्ट सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में आ गया है।

डायनासॉर वाली फोटो-दरअसल, कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम एकाउंट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के जरिए कार्तिक ने बड़े ही दिलचस्प तरीके से कोरोना से जंग में मास्क की बड़ी अहमियत समझाई है। उनकी तस्वीर तो काफी नॉर्मल है, जिसमें वो किसी मॉल के बाहर बैठकर कैमरे के सामने पोज दे रहे हैं, वहीं इस फोटो में वो एक पत्थर के डायनासॉर के दातों के बीच अपना सिर रखकर तस्वीर खिंचवा रहे हैं। इस फोटो में डायनासॉर का मुंह खुला है और उसके डरावने दांत दिखाई दे रहे हैं।

बिना मास्क के चेहरों...इस तस्वीर को शेयर करते हुए कार्तिक ने कैप्शन में लिखा- बिना मास्क के चेहरों के अंदर कोरोना इस तरह स्लाइड करके चला जाता है। कार्तिक की इस तस्वीर पर फैंस की ताबड़तोड़ प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। कोई कार्तिक की बातों से सहमत नजर आ रहा है तो कोई कार्तिक से इंप्रेस होकर उन्हें कैप्शन किंग बता रहा है। यही कारण है कि उनका ये पोस्ट सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में आ गया है।

एक नजर...

बीडीसी को अगवा करने पर मतगणना स्थल के बाहर बवाल, पुलिस ने लाठियां भांजी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव 2021 के लिए मतगणना आज सुबह 8 बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और कोविड प्रोटोकॉल के बीच जारी है। जिलों से ग्राम प्रधान और बीडीसी सदस्य के जीत के रूझान आने शुरू हो गए हैं। अभी तक जिला पंचायत सदस्य के नतीजे कहीं से नहीं आए हैं। मतगणना शांति और पारदर्शी तरीके से हो सके, इसके लिए चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। मतगणना में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आठ कम्पनी सीआरपीएफ, दो कम्पनी एसएसबी, 10 कम्पनी केन्द्रीय सुरक्षा बल और 67 कम्पनी पीएसी लगाई गई है।

-उरई जिले के कोंच तीतरा खलीलपुर के मतगणना स्थल से जीत का प्रमाण पत्र लेकर बाहर आए एक बीडीसी अगवा करने को लेकर बवाल। बेकाबू भीड़ ने अगुवा कर ले जा रही कार को रोकर शुरू किया हंगामा। घटना के बाद पहुंची पुलिस फोर्स ने भीड़ को काबू में करने के लिए जमकर लाठियां भांजी।

-पीलीभीत जिले के पूरनपुर में हेराफेरी के आरोप को लेकर जिला पंचायत प्रत्याशी भिड़ गए। दोनों प्रत्याशियों के समर्थक के बीच जमकर हाथापाई होने से खलबली मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। इसको लेकर भगदड़ मच गई। कार्रवाई से बचने को लेकर कई लोग मौके से गायब हो गए।

-चंदौसी मंडी समिति में ब्लॉक बनियाखेड़ा के ग्राम लालपुर चेचरी से उषा और सेजनी गांव से कमलेश ने जीता ग्राम प्रधानी का चुनाव। आरओ ने विजयी दोनों प्रत्याशी को दिया जीत का प्रमाण पत्र।

गोंडा - नवाबगंज ब्लाक के विशनोहरपुर गांव से प्रधान पद के लिए खड़े हुए समाज-कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री के अनुज बाबूलाल शास्त्री के पुत्र आशीष शास्त्री चुनाव हार गए हैं।

-सीतापुर - ग्राम पंचायत बरेती जलालपुर से प्रधान पद पर राम नाथ भार्गव कोटेदार, ग्राम पंचायत अकैचनपुर फरीदपुर से प्रधान पद पर कलीम , ग्राम पंचायत लक्ष्न नगर, से प्रधान पद पर विवेक शुक्ला, चन्द्रा वल ग्रामपंचायत से विकास यादव व अर्थापुर से अंशू शुक्ला जीते

-सुलतानपुर में दूबेपुर ब्लॉक स्थित मतगणना स्थल का बाहर विजय जुलूस निकालने की मनक लगते ही पुलिस ने भांजी लाठियां।

-प्रयागराज के कौड़िहार विकासखंड की मतगणना में प्रथम परिणाम भीखनपुर गांव का आया। यहां के ग्रामप्रधान का सेहरा देवतादीन सरोज के नाम रहा। सरांय जयराम गांव में ग्रामप्रधान सरोजा देवी चुनी गईं। बीडीसी पद पर सियालाल।

गोंडा - ग्राम पंचायत तेलहा से सूर्यकांत सिंह, ग्राम पंचायत खड़ौरा से अनिता पत्नी जगदम्बा उपाध्याय, ग्राम पंचायत जबरनगर से वैभव सिंह, खमरौनी से मो अनीश प्रधान चुने गए।

-श्रावस्ती -चांयात चुनाव के मतगाणना में अब तक हरिहरपुरशानी से 3 ग्राम प्रधानों का परिणाम हुआ घोषित। उमायल खुर्द से शंकर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नानमून को 80 मतों से हराकर विजयी प्राप्त की। बैरागीजोत से श्रीमती राजरानी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्यार को 81 मतों से हराकर हुई विजयी घोषित हुई। तुरुषमा से सीमा श्रीवास्तव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी लकी यादव को 105 मतों से हराया।

-अयोध्या - सोहावल ब्लाक में प्रधान पद पर जीत को लेकर दूसरा परिणाम आया है। ग्राम गौरा ब्रम्हनान से राकेश कुमार ने 200 वोट पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी संजय वर्मा को चार वोटों से हराया।

-सीतापुर - ग्रामसभा कलुआपुर प्रेमा देवी प्रधान चुनी गई, ग्रामसभा अग्गैया से प्रेमचंद, ग्रामसभा इनायतपुर से किशोरीलाल, ग्रामसभा किशुनपुर से सत्यप्रकाश, ग्रामसभा नाथूपुर से शोभा देवी, ग्रामसभा कांसा से रीता मिश्रा, ग्रामसभा इचौली से गणेश वर्मा, ग्राम सभा उनेरा सेराम सिंह, ग्रामसभा कुंसरा से कामिनी देवी चुनी गई।

-रायबरेली - शिवगढ़ की प्रमिला सिंह जिन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी विनोद सिंह को 250 मतों से हराया दूसरी बार प्रधान चुनी गई। ग्राम सभा खुदायपुर राम शंकर यादव को 365 मत मिले पर विजई घोषित हुए। ग्राम सभा करौली दमा संगीता पत्नी विनोद और ग्रामसभा रौसी से का सलीमा बानो विजई घोषित हुई।

-बुलंदशहर - प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री अनिल शर्मा के छोटे भाई केशव शर्मा की पत्नी ममता शर्मा ग्राम प्रधंड बहुमत से ग्राम प्रधान निर्वाचित हुई हैं। ममता शर्मा शिकारपुर ब्लॉक के गांव सुरजावली की प्रधान निर्वाचित हुई।

-अयोध्या - ग्राम रसूलपुर सकरावल के कामता प्रसाद ने 315 वोट पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जगन्नाथ को 109 वोटों से हराया

-रायबरेली - लालगंज के धनीपुर में धनपाल सिंह 387 मत पाकर विजयी, दूसरे नम्बर विकास सिंह 323

-पीलीभीत - ग्राम पंचायत गायबोझ में रिज़वान मलिक 120 बोटो से विजयी हुए, पूरनपुर तहसील के गांव मैनी गुलरिया से दलबीर सिंह ने रिकॉर्ड मत से हासिल की जीत,प्रतिद्वंदी कैलाश को 697 वोट से हराया।

-शाहजहांपुर :- तिलहर ब्लाक के ढकियारघा गांव में प्रधान पद पर रामकिशोर जीते , 242 वोट मिले, रुद्रपुर ग्राम पंचायत से अनिल वर्मा प्रधान पद का चुनाव जीते 84 वोटों से, खुटार ब्लाक के ढकनालहिया गांव के ओंकार बने प्रधान, रुजलाकलां में रूप राम बने प्रधान

-गोंडा - बभनजोत के ग्राम पंचायत बनघुसरा से राजेश मौर्य अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी संतोष यादव से 182 मतों विजयी तथा पिपरा शरीफ से राम बहादुर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नीलम से 61 मतों से विजयी हुए हैं।

-अयोध्या - रुदौली के न्योति गांव से जीते विनय सिंह और हारे राम करन, फिरोजपुर पवारान से जीती गुड़िया व हारे पवन

-सीतापुर - महमूदाबाद की इचौली ग्राम सभा से तीसरी बार प्रधान बने गणेश वर्मा, रेउसा विकासखंड की ग्राम सभा बढ़ईडीह से मोहर्रम अली विजयी हुए।

-इकौना के ग्रामसभा सरवन तारा प्रधान पद के विजई प्रत्याशी दिलीप कुमार

-गोंडा - छपिया के ग्राम पंचायत देवगांव के 155 वोट से प्रधान रविन्द्र वर्मा 155 वोट से विजेता घोषित किए गए ग्राम पंचायत भरथीपुर से प्रधान अहमद रजा 13 वोट से विजई हुए ।

-अयोध्या - हैरिंगटनगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत सोहवल सलोनी में राम सुंदर यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी मौजूदा प्रधान अमरनाथ यादव को 16 मतों के अंतर से हरा दिया। तारुन ब्लॉक के पारा हथिगो ग्राम पंचायत से मनोज कुमार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 317 मतों से पराजित किया।

गोंडा - बेलसर ब्लॉक से द्वितीय परिणाम ग्रामसभा तेलहा से सूर्यकांत सिंह 47 वोटों से विजयी

-महोली के ग्राम पंचायत पिपरावां से राकेश वर्मा ने जीत हासिल की।

- अयोध्या -मसौधा ब्लाक के दोस्तपुर गांव से मेराज अहमद जीते।

-गोंडा - पडरीकृपाल के ग्रामपंचायत सुभागापुर से विकास शुक्ला जीते, बेलसर ब्लॉक में जबर नगर ग्राम सभा से वैभव सिंह 50 वोटों से विजई

-बाराबंकी - सिरौलीगौसपुर ब्लाक के मैंसोरिया से आशा कुमारी पत्नी हरिनाथ सिंह 254 प्राप्त मत विजयी। प्रतिद्वन्दी राजरानी को 225 वोट मिले129 मतों से आशा कुमारी प्रधान पद पर जीती। मसौली के ग्राम पंचायत चिलौकी में सोमनाथ 488 मत पाकर जीते। प्रतिद्वंद्वी नूर अहमद को 150 वोट मिले।

-अयोध्या - ग्राम प्रधान का पहला परिणाम। बीकापुर ब्लाक के खेवली ग्राम पंचायत प्रधान पर नीलम सिंह जीती।

-लखनऊ - सुधा यादव बानी शेखनापुर कोइरा की प्रधान

-दादरी में मतगणना केंद्रों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया जा रहा है।

-बाराबंकी - हरख ब्लाक की ग्राम पंचायत मंगरवल का परिणाम आया,रूबी पत्नी अकील 410 वोट पाकर जीतीं। प्रतिद्वंद्वी रुबीना पत्नी जावेद को मिले 291 वोट

-बलरामपुर जिले के पचपेड़वा ब्लॉक में दो बनवासी महिलाओं ने फहराया जीत का परचम। कोहरगड़ी से नीलम थारू व वीरपुर सेमरा से प्रमिला थारू बनी प्रधान

गोंडा- पंडरी कृपाल के मुंडेरवाथ कला से प्रधान पद पर बृजनंदन चुने गए।

-मैनपुरी में बेबी चौहान, तरौली, वंदना बनीं भरतपुर की ग्राम प्रधान

-मथुरा- त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का पहला परिणाम महिला को जिताने वाला रहा। नंदगांव ब्लॉक का पहला चुनाव ग्रणाम मानपुर ग्राम पंचायत का आया। मानपुर ग्राम पंचायत से आशा देवी ने 128 वोटों से जीत हासिल की।

-वाराणसी- पिंडरा ब्लॉक के करेमुवा ग्राम सभा का परिणाम आया। एससी सीट पर करेमुवा के अनिल कुमार ने अमित कुमार को 79 वोटों से हराया। इसके बाद चिउरापुर से विपिन सिंह, औराव से अनिल चौबे व उदपुर से जयप्रकाश सिंह उर्फ जेपी ने जीत हासिल की। कर्मी गांव की रेखा देवी ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 3 मतों से हराकर जीत हासिल की। कर्मी के बीडीसी प्रत्याशी प्रियंका ने 2 वोटों से जीत हासिल की।

-चंदौली - चकिया ब्लाक के इसहुल गांव के प्रधान पद पर ओमप्रकाश सिंह नवनिर्वाचित हुए। उन्होंने 470 मत पाकर निकटतम प्रतिद्वंदी।चंदन (468) को दो वोटों के अंतर से पराजित किया।

-बलरामपुर जिले में प्रधान पद का पहला परिणाम घोषित। रेहरा बाजार ब्लॉक के आरओ सत्येंद्र सिंह ने बताया कि फिरोजपुर के प्रधान पद प्रत्याशी तबस्सुमबानो ने 592 मत पाकर कलसूलबानो 493 को 99 मतों के अंतर से किया पराजित।

-रायबरेली - हटवा ग्राम सभा मे सुमित्रा ने 690 मत, तथा रनर प्रत्याशी सरिता देवी ने 344 मत हासिल किए। सुमित्रा ने 346 वोटों से विजय हासिल की, मदारीपुर प्रधान पद प्रत्याशी मनीष सिंह 22 मतों से विजय।

-रायबरेली - पचखरा बीडीसी प्रत्याशी गुड्डी देवी कुल 583 मत, रनर प्रत्याशी अंतिमा ने 239 मत हासिल किए।

गुड्डी देवी ने 344 वोट से विजय हासिल की। प्रधान पद प्रत्याशी सीता देवी 709, रनर विमला देवी ने किया मत 467 मत हासिल। सीता देवी 242 वोटों से विजयी

-फिरोजाबाद में सभी केंद्रों पर टेरी से हुई मतगणना, एजेंटों ने तोड़ी सोशल डिस्टेंसिंग

-भारी सुरक्षा के बीच सहारनपुर में 11 केन्द्रों पर मतगणना शुरू, तीन काउंटिंग एजेंट निकले कोरोना पॉजिटिव

-हरदोई में महिला उम्मीदवार घर पर, मतगणना केंद्रों पर परिजनों ने संभाला मोर्चा

-प्रयागराज के विकासखंड कौड़िहार की मतगणना चल रही है।

जीत गईं चुनाव लेकिन जिंदगी की जंग में मिली हार

लखनऊ। पंचायत चुनाव की वोटिंग के बाद चुनाव के रिजल्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे कई प्रत्याशी अपनी जीत का जश्न भी नहीं मना सके। मतगणना से पहले ही कुछ प्रत्याशियों की मौत हो चुकी है। किसी ने कोरोना के चलते दम तोड़ दिया तो किसी की अन्य बीमारी के चलते मौत हो गई। दो मई को मतगणना के बाद प्रत्याशी की जीत का ऐलान तो हुआ लेकिन जश्न मनाने के लिए प्रत्याशी अब दुनिया में नहीं था। प्रत्याशी की मौत के गम में उनके समर्थक भी मायूस थे। प्रत्याशी के घर में मातम छाया था। प्रत्याशी की मौत के बाद रिजल्ट आने को लेकर कई जगहों पर चुनाव दोबारा कराने का ऐलान किया गया है।

मैनपुरी जिले में भी एक प्रत्याशी ने पंचायत चुनाव के दौरान ही दम तोड़ चुकी है। मतगणना से ठीक पहले महिला प्रत्याशी का निधन हो गया था। पंचायत चुनाव के दौरान ही उनकी तबीयत खराब हो गई थी। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर आए जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। रविवार को ग्राम पंचायत नगला ऊसर के प्रधान पद के वोटों की गिनती हुई। गिनती के बाद प्रधान पद की प्रत्याशी रहीं पिंकी देवी ने 115 वोटों से जीत हासिल कर ली। उन्होंने निवर्तमान प्रधान चंद्रावती को पराजित किया। चूंकि पिंकी देवी की मौत पहले ही हो चुकी है इसलिए परिणाम घोषित होने के बाद भी यहां फिर से चुनाव कराया जाएगा। प्रत्याशी की मौत होने के बाद जीत का परिणाम आया, फिर भी परिजन जीत का जश्न नहीं मना सके। ग्रामीण भी इस परिणाम को लेकर चर्चाएं करते नजर आए।

बनारस में जीत की सूचना मिलते ही दम तोड़ा- वाराणसी के पिंडरा ब्लॉक के नंदापुर के ग्राम प्रधान की सुनरा देवी ने अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी को 3 मतों से हराकर जीत हासिल की।लेकिन जीत की खुशी उनके लिए मौत लेकर आई। जीत की सूचना मिलते ही आईसीयू में भर्ती सुनरा देवी की मौत हो गई। सुनरा देवी को 294 मत तथा प्रेमशीला को 291 मत मिला। मृत प्रधान सुनरा देवी का प्रमाणपत्र उनके पुत्र अजय यादव ने लिया। वही अमौत गांव के लालधारी ने अपने प्रतिद्वंद्वी नीतू को 186 मतों से हराया।

मौत के बाद महिला प्रत्याशी की जीत की घोषणा- अमरोहा के गंगेश्वरी विकास खंड के गांव खनौरा में प्रधान पद की प्रत्याशी सविता पत्नी राजकुमार 165 वोट से चुनाव जीतीं लेकिन यह बदकिस्मती रही कि शुक्रवार रात उनका कोराना की वजह से निधन हो गया। आज उनकी जीत के ऐलान के बाद भी परिवार खुशी से दूर गम में डूबा रहा।

सुबह मौत हुई, दोपहर में ग्राम प्रधान पद पर विजयी घोषित की गईं विमला देवी- देवरिया के विकास खण्ड भागलपुर की ग्राम पंचायत कपूरी एकौना से प्रधान पद की प्रत्याशी विमला देवी (55) की रविवार की सुबह जिला अस्पताल में मौत हो गई जबकि दोपहर में आए चुनाव परिणाम में वह विजयी रहीं।

महराजगंज में बीजेपी विधायक के भाई की पत्नी को मिली हार

महराजगंज। महराजगंज के धानी ब्लाक के कानापार वार्ड संख्या 1 से 4 पर हो रहे क्षेत्र पंचायत सदस्य के चर्चित चुनाव में फरेंदा विधायक बजरंग बहादुर सिंह के भाई की पत्नी सरिता सिंह चुनाव हार गई हैं। इस सीट से पूर्व प्रधान गोपाल सिंह विजयी हुए हैं। इस क्षेत्र में प्रधानी व जिला पंचायत से अधिक रोचक चुनाव इस क्षेत्र पंचायत सदस्य का था। इसे ब्लाक प्रमुखी से जोड़कर देखा जा रहा था। मतगणना के बाद विजयी गोपाल सिंह को 531 मत मिले, जबकि सरिता सिंह को 354 मतों से ही संतोष करना पड़ा।

जीत की खुशी पर भारी पड़ा बेटे के मौत का गम- फरेन्दा ब्लाक के सोहरवलिया खुर्द गांव का रिजल्ट देखने के लिए पूरे क्षेत्र की निगाह जमी थी। क्योंकि चुनावी राजिश को लेकर मारपीट में एक प्रत्याशी के बेटे की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। रविवार को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम सामने आया। इसमें मातम वाले परिवार के सदस्य के सिर लोगों ने जीत का सेहरा पहना दिया। पर, भतीजे के मौत के गम के आगे जीत की खुशी बेरौनक नजर आई।

प्रधानी पद पर चुनाव में तो कई लोग लड़े थे। सोहरवलिया खुर्द का टोला परसोइया से दो लोग मैदान में थे। इसमें एक पक्ष के परिवार के सदस्य दस वर्ष से प्रधान की कुर्सी पर काबिज थे। इस इस बार निवर्तमान प्रधान शहाबुद्दीन ने अपने भाई मकसूद को चुनाव मैदान में उतारा। इनके खिलाफ पट्टेदारी के सबरे आलम ने अपने भाई हसामुद्दीन का प्रधान पद का पर्चा भरवा दिया। दोनों पक्ष दमदारी से चुनाव लड़े।

मारपीट में घायल होने के बाद हुई मौत- मतदान के बाद 21 अप्रैल को चुनावी रंजिश को लेकर रात में दोनों पक्ष में मारपीट हो गयी। इसमें आधा दर्जन लोग घायल हुए। सबरे आलम के भतीजा व प्रधान पद प्रत्याशी हसामुद्दीन के बेटे औरंगजेब की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपित पक्ष के चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दी। रविवार को मतगणना में सबरे आलम के बड़े भाई हसामुद्दीन ने अपने पट्टेदार शहाबुद्दीन के भाई मकसूद को 188 मत से हरा दिया। हसामुद्दीन को 497 मत व मकसूद को 309 वोट मिला। सबरे आलम ने बताया कि यह जीत मेरी नही मेरे ग्राम वासियों की है। पर इस जीत की खुशी तब दोगुनी होती जब औरंगजेब जीवित रहता।

बीडीसी को अगवा करने की कोशिश में मतगणना स्थल के बाहर बवाल, पुलिस ने लाठियां भांजी

उरई। कोंच तीतरा खलीलपुर के मतगणना स्थल से जीत का प्रमाण पत्र लेकर बाहर आए एक बीडीसी को माननीय की नेम प्लेट लगी कार से अगुवा करने पर मौजूद भीड़ भड़क उठी। बेकाबू भीड़ ने अगुवा कर ले जा रही कार को रोक लिया और हंगामा शुरू कर दिया। इस घटना को देख वहां मौजूद पुलिस फोर्स के हाथ पैर फूल गए और पुलिस ने भीड़ को काबू में करने के लिए जमकर लाठियां भांजी। पुलिस को आक्रोशित भीड़ को काबू करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। रविवार शाम को पंचायत चुनाव की चल रही मतगणना में नदीगांव विकास खंड के मतगणना स्थल तीतरा खलीलपुर के एमएसडी डिग्री कालेज परिसर से जीत का प्रमाण पत्र लेकर बाहर आए बीडीसी रमेश चन्द्र को कुछ लोगों ने कार में जबरन बैठाकर अगवा करने का प्रयास किया। कार पर एक माननीय के नाम की नेम प्लेट लगी देख वहां बीडीसी समर्थक और भीड़ उग्र हो गई। मतगणना स्थल के बाहर खड़ी भीड़ पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगी और आरोप लगाया कि पुलिस की मिली भगत से ही बीडीसी को अगुवा करने का प्रयास किया गया।

आक्रोशित भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस ने जमकर लाठियां भांजी। मतगणना स्थल पर हुए बवाल की सूचना पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी पहुंच गए और स्थति पर काबू किया। उपजिलाधिकारी अशोक कुमार का कहना है कि अभी अगुवा करने जैसी कोई बात सामने नहीं आई है।

मतगणना में हेराफेरी को लेकर आपस में भिड़े जिला पंचायत प्रत्याशी, समर्थकों में भी हाथापाई

पीलीभीत पूरनपुर। यूपी के पीलीभीत जिले में मतगणना के दौरान हेराफेरी का आरोप लगाकर जिला पंचायत सदस्य पद के दो प्रत्याशी आपस में भिड़ गए। दोनों प्रत्याशियों के समर्थक के बीच जमकर हाथापाई होने से खलबली मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। इसको लेकर भगदड़ मच गई। कार्रवाई से बचने को लेकर कई लोग मौके से गायब हो गए। जिला पंचायत के वार्ड 10 की मतगणना जटपुरा न्याय पंचायत की टेबिल पर चल रही थी। एक प्रत्याशी ने दूसरे प्रत्याशी के पक्ष में कर्मचारी से मिलकर मतगणना में हेराफेरी का आरोप लगा दिया। इसको लेकर दोनों के बीच गाली गलौज होने लगी। देखते ही देखते दोनों ओर से समर्थकों में हाथापाई शुरू हो गई। जमकर लात घूंसे चलने से मतगणना स्थल पर खलबली मच गई।

मुलायम सिंह यादव के गांव सैफई ने रचा इतिहास

50 वर्षों में पहली बार पड़े वोट, दलित बना प्रधान

इटावा। यूपी पंचायत चुनाव 2021 में पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के गांव सैफई ने भी एक नया इतिहास रच दिया है। इस गांव में 50 वर्षों में पहली बार वोट पड़े, मतगणना हुई और मुलायम सिंह परिवार के समर्थित उम्मीदवार रामफल वाल्मीकि ने जीत हासिल की। रामफल की जीत का फासला भी बहुत बड़ा रहा। उन्हें कुल 3877 वोट मिले जबकि उनकी प्रतिद्वंदी विनीता को सिर्फ 15 वोट ही मिल पाए। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की वजह से सैफई हमेशा चर्चा में रहता है। बताया जा रहा है कि पिछले 50 वर्षों में पहली बार यहां मतदान की नौबत आई। इसके पहले तक यहां के प्रधान पद पर निर्विरोध निर्वाचन ही होता था। 1971 से मुलायम सिंह के मित्र दर्शन सिंह यादव लगातार सैफई के ग्राम प्रधान निर्वाचित होते थे। पिछले साल 17 अक्टूबर को उनके निधन से यह सीट खाली हो गई। इस बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में इस सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित कर दिया गया। इस चुनाव में मुलायम सिंह यादव के परिवार ने रामफल वाल्मीकि का समर्थन किया। रामफल को एकतरफा वोट मिले। पहली बार इस गांव में कोई दलित ग्राम प्रधान बना है।

अखिलेश के चचेरे भाई ने जिला पंचायत सीट पर बनाई बढ़त- उधर, मुलायम सिंह यादव के भतीजे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई अभिषेक यादव भी जीत की ओर बढ़ चले हैं। जिला पंचायत सीट पर वह 3780 मतों से आगे चल रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार 10वें राउंड की मतगणना में अभिषेक को 4125 मत मिले थे जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के राहुल यादव को 345 मत। अभिषेक यादव सैफई द्वितीय से उम्मीदवार हैं। वह यहां से निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष भी हैं।

शाहजहांपुर में भतीजी ने चाची को 173 वोटों से हराया, शाम चार बजे तक आए 217 चुनाव परिणाम

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में तमाम अफरातफरी अव्यवस्थाओं के बीच 15 ब्लाकों में रविवार सुबह 8 से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में 15226 पदों के लिए मतगणना काफी विलंब से प्रारंभ हुई। रविवार शाम 4 बजे तक विभिन्न पदों के 217 परिणाम घोषित किए गए, जिसमें प्रधान पद के 1069, बीडीसी पद के 1169 और ग्राम पंचायत सदस्य के 12951 पदों पर परिणाम घोषित किए गए हैं। जिला पंचायत सदस्य के 47 पदों पर अभी तक कोई परिणाम नहीं आ सका है। प्रधान पद के 74, बीडीसी के 30 और ग्राम पंचायत सदस्य के 113 पदों के परिणाम आ चुके हैं। शाहजहांपुर में प्रधान पद का पहला परिणाम तिलहर से घोषित किया गया, यहां ढकियारघा गांव से रामकिशोर प्रधान पद पर निर्वाचित हुए। रुद्रपुर गांव से अनिल वर्मा निर्वाचित हुए। खुटार के रुजलाकलां गांव से रूपराम, कुनिया गांव से मनोज कुमार और सहारू गांव से यशोदा देवी चुनाव जीतीं। पिपरिया वीरपुर से भटनोसा निवासी स्नेहलता प्रधान बनीं। इसी तरह निगोही के कुकहरमहमूदपुर में भतीजी वंदना मिश्रा ने चाची निशा वाजपेई को 173 वोटों से हराया। जलालाबाद के कटीयूली से सुरेंद्र यादव चुनाव जीते। भुड़ियामूड़ गांव से सर्वेश पाठक प्रधान बने। ग्राम चौरासी से निशा देवी चुनाव जीतीं। कांट ब्लाक के नानकपुर ग्राम पंचायत से उदयवीर, हटीपुरकुरिया से राजपाल चुनाव जीते। पल्हरई से शारुन खान चुनाव जीते।

पंचायत चुनाव रिजल्ट: वाराणसी में बड़ी संख्या में परिणाम घोषित

वाराणसी। वाराणसी में त्रिस्तरीय पंचायत के लिए जिले के आठ ब्लॉक मुख्यालयों पर रविवार सुबह से एक साथ मतगणना शुरू हो गई है। यहां कई सीटों पर रिजल्ट आना शुरू हो गया है। पिंडरा ब्लॉक के करेमुवा ग्राम सभा का परिणाम सबसे पहले आया। एससी सीट पर करेमुवा के अनिल कुमार ने अमित कुमार को 79 वोटों से हराया। इसके बाद चिउरापुर से विपिन सिंह, औराव से अनिल चौबे व उदपुर से जयप्रकाश सिंह उर्फ जेपी ने जीत हासिल की। सभईपुर में उषा देवी पत्नी देवेन्द्र नारायण ने ललिया देवी को 21 वोटों से पराजित किया।

चिरईगांव में ग्राम प्रधान पद के विजयी प्रत्याशी

1-सथवां से विन्दो सिंह पत्नी विजय शंकर सिंह 512 मत विजयी घोषित निकटतम प्रतिद्वंद्वी सोनिया सिंह को 408 मत

2-रैपुरा से विजयी प्रत्याशी दुर्गेश जायसवाल 332 मत व निकटतम प्रतिद्वंद्वी शोभू यादव को 293 मत

3-छितौनी से विजयी प्रत्याशी अनिता सिंह को 231मत व निकटतम प्रतिद्वंद्वी लालमनी सिंह को 226 मत प्राप्त

4-खेतलपुर से विजयी प्रत्याशी सुनील यादव को 695 मत व निकटतम प्रतिद्वंद्वी हरिशंकर यादव को 395 मत प्राप्त।

जीत की सूचना मिलते ही मिली मौत: पिंडरा ब्लॉक के नंदापुर के ग्राम प्रधान की सुनरा देवी ने अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी को 3 मतों से हराकर जीत हासिल की।लेकिन जीत की खुशी उनके लिए मौत लेकर आई। जीत की सूचना मिलते ही आईसीयू में भर्ती सुनरा देवी की मौत हो गई। सुनरा देवी को 294 मत तथा प्रेमशीला को 291 मत मिला। मृत प्रधान सुनरा देवी का प्रमाणपत्र उनके पुत्र अजय यादव ने लिया। वही अमौत गांव के लालधारी ने अपने प्रतिद्वंद्वी नीतू को 186 मतों से हराया।

पर्ची से हुआ फैसला- हरहुआ ब्लाक के भैठौली

पलहीपट्टी से बीडीसी प्रत्याशी आशा देवी और सुनीता सिंह ने बराबर मत पाया। इस संबंध में निर्वाचन अधिकारी हरहुआ ने पर्ची निकालने का निर्णय दिया। पर्ची सुनीता के नाम की निकली और उन्हें विजयी घोषित किया गया।

लाटरी से खुला भाग्य का पिटारा- पिंडरा। पिंडरा ब्लॉक के ग्राम प्रधान पद के तिवारीपुर ग्राम सभा मे प्रत्याशी उमाकांत तिवारी व रमेश सिंह 443 वोट पाकर दोनों प्रत्याशी बराबरी पर पहुंच गए। सहमति से दोनों लोगों ने लाटरी सिस्टम पर राजी हो गए। इसकी विधिवत वीडियो ग्राफी कराते हुए लाटरी निकाली गई तो उमाकांत तिवारी का भाग्य चमक गया और वह विजयी घोषित हो गए ।

-हरहुआ के करोमा ग्राम पंचायत में अलका यादव को 877 मत रनर गुलाब यादव को 506 मत प्राप्त हुए। 371 मतों से अलका यादव ने अब तक सबसे अधिक मतों से जीत दर्ज किया है। मुरली ग्राम पंचायत से प्रधान पद पर हरिओम पाल82 वोट से जीत

-चोलापुर के रूपचन्द पुर से बेबी चौबे 90, महदा की सबिता सिह 231 और लखनपुर की लालती देवी मात्र चार वोट से विजयी हुई है।

असवारी ग्राम सभा से सावित्री 403, अनिता 223

दल्लीपुर ग्राम सभा रोहित पटेल 383, रमेश 284

बचोरा ग्राम सभा से सीता 430, राजकुमारी 257

बहुतरा ग्राम सभा से अजित पटेल 363, अजित सिंह 329

कनियर ग्राम सभा से उषा रानी 981, पुसञ्जली 968

ढोढ़ीईपुर ग्राम सभा से रमेश चन्द्र शर्मा 302, चंद्रभान 233

करमपुर ग्राम सभा से रामचन्द्र 314, राजू 261

सरायकाजी प्रधानः भोलानाथ 812, विनोद-516

पिंडराब्लॉक के विजयी क्षेत्र पंचायत सदस्य

1-गरथमा--अनीता देवी 552, अजीत कुमार 502

2-थाना---पन्ना विश्वकर्मा --417, नियाज अहमद 244

3-करखियाव --संगीता यादव

4-गरखडा ---संदीप कुमार राजभर 463 विभा सिंह 444

5-अहरक-- मुन्नी देवी 317

6-प्रियंका--432, जगदीश 430 मात्र 2 वोट से हार

7-औराव--पदमा देवी483, अनीता देवी-- 360

8-ओदार-रामप्रवेश -621

9-गंगापुर-बीरेंद्र कुमार।

10-अहरक--- रीता देवी।

11-अमौत प्रथम--- उषा देवी।।

12-अमौत द्वितीय --मनीषा राय

आराजी पहला परिणामः कविता चित्रापुर की जीत

पिंडरा ब्लॉक की सबसे कम उम्र की प्रधान बनी मेनिका

पिंडरा ब्लॉक की सबसे कम उम्र की ग्राम प्रधान मेनिका पाठक बनीं। स्नातक मेनिका पाठक की उम्र 21 वर्ष है। ओदार ग्राम सभा की पहली महिला ग्राम प्रधान बनी मेनिका पाठक ने अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी अनिता को 124 मतों से हराया। मेनिका को 637 व अनिता को 513 मत मिले।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मेडिकल कॉलेज इन्दौर के कोविड अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों के परिजनों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ करने के निर्देश दिये।...

जन-जागरूकता की अलख जगा रहे कोरोना वॉलेंटियर्स

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के आव्हान पर मैं भी कोरोना वॉलिंटियर अभियान से युवा जुड़ कर टीम भावना से कार्य कर कोरोना संक्रमण के प्रति जन-जागरूकता लाने, वैक्सीनेशन कार्य और कोरोना संक्रमित मरीजों को उपचार में भी मदद कर रहे हैं। उमरिया जिले के जय स्तंभ चौक में कोरोना वॉलंटियर जन अभियान परिषद से सम्बद्ध जनहित मानव सेवा संस्थान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ कोरोना संक्रमण के प्रति आमजन को जागरूक करने की अलख जगाने में अहम भूमिका निभा रहें है। कोरोना वालेन्टियर्स ने गत दिवस नगर के जय स्तंभ चौक में दो गज की दूरी- मास्क है जरूरी है की पेंटिंग बनाकर लोगो को जागरूक किया। जनहित मानव सेवा संस्थान के वॉलेंटियर्स

ने ग्राम अतरिया, तामन्नरा, लालपुर, जमुनिया, महरोई, खलेसर में दीवार लेखन और गाँधीचौक, जय स्तंभ में विभिन्न माध्यमों से लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक किया। इसके साथ ही जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने और काढ़ा वितरण में भी प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग का सहयोग किया जा रहा है।

भारतीय परंपरा में यज्ञ के महत्व पर ऑनलाइन होगा वेबिनारः सुश्री ठाकुर

यज्ञ दिवस पर आयोजन

भोपाल।पर्यटन, संस्कृति और आध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने बताया कि 3 मई को सुबह 9 बजे भारतीय परंपरा में यज्ञ के महत्व पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। आध्यात्म विभाग के राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इंदौर के वैदिक विद्वान स्वामी प्रकाश आर्य अपना उद्बोधन देंगे। इच्छुक भ्रातृ भगिनी सोमवार को सुबह 9 बजे वेबिनार की लिंक पर क्लिक करके स्वामी प्रकाश आर्य के उद्बोधन का लाभ उठा सकते हैं। सुश्री ठाकुर ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा कोविड-19 से मुक्ति के लिए आर्य समाज ने निर्णय लिया है कि 3 मई को विश्व यज्ञ दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस पावन कार्य में विश्व के 35 देश सहभागी होने जा रहे

हैं। सुश्री ठाकुर ने सत्य सनातन वैदिक जीवन पद्धति में विश्वास रखने वाले सभी भाई-बहनों से आग्रह किया है कि 3 मई को सुबह 9 बजे अपने घर, प्रतिष्ठान या आर्य समाज में यज्ञ अवश्य करें और पर्यावरण की शुद्धि में सहायक बने। सुश्री ठाकुर ने कहा कि हम सब जानते हैं कि मानव समाज ने अपने निजी स्वार्थ के लिए मिट्टी, पवन और पानी को प्रदूषित किया है। हम सब को मिलकर इन्हें शुद्ध करना ही होगा। आइए इस पावन कार्य में सहभागी बने।

मुख्यमंत्री श्री चौहान 17 हजार श्रमिकों के खाते में करेंगे 379 करोड़ रूपये अंतरित संबल योजना के हितग्राही होंगे लाभान्वित

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 4 मई को जन-कल्याण संबल योजना में लगभग 17 हजार असंगठित श्रमिक परिवारों के बैंक खाते में 379 करोड़ रूपये सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित करेंगे। सहायता राशि वितरण के इस वर्चुअल कार्यक्रम में श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

संबल योजना प्रदेश के श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ परिवारों को आधार प्रदान करने वाली योजना है। इस योजना के अन्तर्गत श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों की दुर्घटना मृत्यु पर 4 लाख रूपये की राशि उनके आश्रितों को प्रदान की जाती है। इसी तरह सामान्य मृत्यु तथा स्थायी अपंगता पर श्रमिक परिवारों को दो-दो लाख रूपये की अनुग्रह राशि मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना में दी जाती है। योजना में आंशिक स्थायी अपंगता पर एक लाख रूपये उपलब्ध कराने और अन्त्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये दिये जाने का प्रावधान भी हैं। मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना असंगठित क्षेत्र के गरीब श्रमिक परिवारों के लिए संबल प्रदान करने का कार्य कर रही है। योजना प्रारंभ होने से अब तक प्रदेश के 2 लाख 28 हजार हितग्राहियों को 1907 करोड़ रूपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। पिछले वित्तीय वर्ष में कोरोना महामारी जैसी विषम परिस्थितियों में भी 72 हजार से अधिक हितग्राहियों के बैंक खाते में 582 करोड़ रूपये हितलाभ वितरित किये गये थे। मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना 2018 में शुरू की गई थी। इसमें असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के जरूरतमंद परिवारों को बच्चे के जन्म के पहले से लेकर पूरे जीवनकाल में मदद दी जाती है। इसमें हाथ ठेला चलाने वाले लोगों से लेकर कबाड़ इकट्ठा करने वाले गरीबों, घरों में काम करने वालों, पत्थर तोड़ने वालों को मदद मिलती है। प्रदेश के ऐसे लाखों गरीब परिवारों के लिये संबल योजना सहारा बनी है।

कोविड मरीज़ों के परिजनों के लिए करें उचित व्यवस्था

मंत्री श्री तुलसी सिलावट ने ग्रामीण हाट बाज़ार के निरीक्षण के बाद दिए निर्देश

होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों से फोन पर चर्चा की

भोपाल। जल संसाधन तथा इंदौर के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इन्दौर में मेडिकल कॉलेज के कोविड हॉस्पिटल में भर्ती मरीज़ों के परिजनों के लिए भोजन, पानी और रात्रि विश्राम की व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने व्यवस्था करने के लिए ग्रामीण हाट बाज़ार का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर इंदौर, आयुक्त नगर निगम, डीन मेडिकल कॉलेज एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री सिलावट ने कहा है कि इंदौर में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, एमआरटीबी हॉस्पिटल और एमटीएच हॉस्पिटल में कोविड के मरीज़ उपचारत हैं। उनके परिजन प्रायः धूप और खुले में परेशान होते हैं। ऐसे में उनकी चिंता करना हमारी प्राथमिक ज़िम्मेदारी है। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि यहाँ परिजनों के रात्रि विश्राम के साथ ही पानी, भोजन इत्यादि की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाए। इंदौर के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज कोरोना केयर कॉल सेंटर पर जाकर होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने 25 से अधिक मरीज़ों से फोन पर चर्चा कर हालचाल जाने और उन्हें कोरोना से लड़ने में हिम्मत बँधाई। साथ ही कॉल सेंटर पर काम कर अपनी सेवाएँ दे रहे कोरोना वॉलंटियर्स से भी चर्चा की। उन्होंने सभी को इस मुश्किल घड़ी में सहयोग देने के लिए धन्यवाद भी दिया। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि होम आइसोलेशन में रह रहे मरीज़ों के लिए कॉल सेंटर एक महत्वपूर्ण और मददगार संसाधन है। काल सेंटर में काम कर रहे सभी कर्मी नियमित रूप से इन मरीज़ों से सम्पर्क करें और उन्हें उचित मार्गदर्शन दें।

अभी तक एक लाख 52 हजार 301 कोरोना मरीजों तक पहुँची मेडिकल किट

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में एक लाख 52 हजार 301 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से एक मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फ़ीवर क्लीनिक व होम डिलीवरी के माध्यम से एक लाख 52 हजार 301 मेडिकल किट कोविड मरीज़ों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705 , 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958 और एक मई को 10 हजार 253 कोविड मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग के लिये गाँव-गाँव दी जा रही है दस्तक

रायसेन। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में गाँव-गाँव और घर-घर जाकर स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग के लिये किल-कोरोना अभियान-2 चलाया जा रहा है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ संक्रमण की दर अधिक है, वहाँ प्राथमिकता से सर्वे टीम पहुँच कर संभावित मरीजों की पहचान कर रही है। गत 24 अप्रैल से प्रारंभ हुए किल-कोरोना अभियान-2 के लिये 15 हजार 308 सर्वे टीमें गठित की गयी हैं। सर्वे टीमों द्वारा अभी तक 2 करोड़ 29 लाख 51 हजार 135 से अधिक जनसंख्या का सर्वे पूरा कर लिया गया है। सर्वे के दौरान 84 हजार 148 से अधिक संभावित मरीजों के सैम्पल लिए गये हैं। अभियान 9 मई तक चलेगा।

94.62 प्रतिशत ग्राम पंचायतो ने लिया कोरोना-कर्फ्यू का संकल्प-प्रदेश की 22 हजार 811 ग्राम पंचायतों में से 21 हजार 584 ग्राम पंचायतों ने जनता कोरोना कर्फ्यू लगाने का संकल्प लिया है, जो कुल पंचायतों की लगभग 94.62 प्रतिशत है। अत्यावश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी और निजी कार्यालय 10 प्रतिशत उपस्थिति के साथ संचालित हो रहे है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक खेल, शैक्षणिक, सार्वजनिक कार्यक्रम और मनोरंजन की गतिविधियों आयोजित करने के लिए लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबन्ध रखा गया है।

9 मई तक जारी रहेगा किल-कोरोना अभियान-2 : मुख्यमंत्री श्री चौहान

80 लाख से अधिक का हुआ टीकाकरण-प्रदेश में टीकाकरण का कार्य भी जारी है। अब तक प्रदेश के हेल्थ वर्कर्स फ्रंट लाईन वर्कर्स, वरिष्ठ नागरिक एवं 45 वर्ष से अधिक के लगभग 80 लाख 69 हजार से अधिक लोगों का टीकाकरण हो चुका है। प्रदेश के 3 करोड़ 22 लाख से अधिक नागरिकों को टीका लगेगा। सरकार इस कार्य पर लगभग 2710 करोड़ रुपये खर्च करेगी। कोविशील्ड वैक्सीन के 45 लाख डोज का कार्यादेश जारी कर दिया गया है।

जोबट में वॉलेंटियर्स द्वारा एंबुलेंस वाहन भेंट-प्रदेश भर में कोरोना वॉलेंटीयर्स की संख्या अब 1 लाख 8 हजार 375 से भी अधिक हो गयी है। सभी वॉलेंटीयर्स सरकार के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर कोविड नियंत्रण में जन-जागरूकता के कार्यों में अहम योगदान दे रहे हैं। अलीराजपुर जिले में 1616 वॉलेंटियर्स का पंजीयन किया गया है। जिले के विकासखण्ड जोबट में वॉलेंटियर्स द्वारा नगरवासियों को सर्व-सुविधा युक्त एंबुलेंस वाहन भेंट किया गया है। एंबुलेंस से हाल ही में ऑक्सीजन के 7 सिलेंडर इंदौर से जोबट पहुँचाये जा सके।

जीवन अमृत योजना-जीवन अमृत योजना में 8 अप्रैल 2021 से अब तक प्रति परिवार 1 लाख 16 हजार 979 काढ़े के पैकेट वितरित कर 2 लाख 92 हजार 448 लोगों को लाभान्वित किया गया है।

योग से निरोग कार्यक्रम-कोरोना संकट काल में राज्य सरकार ने नवाचार कर योग से निरोग कार्यक्रम प्रारंभ किया है। प्रदेश अब तक 2,918 योग प्रशिक्षक पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें से 2 हजार 531 योग प्रशिक्षकों की 25 हजार 233 होम आइसोलेटेड मरीजों के साथ मैपिंग की गयी।वर्तमान में कुल 2,390 योग प्रशिक्षक 15 हजार 146 होम आईसोलेटेड मरीजों को योगाभ्यास आदि ऑनलाइन करवा रहे हैं।

महत्वपूर्ण निर्णय-राज्य सरकार ने संकट की इस घड़ी में किसान भाइयों को खरीफ 2020 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 31 मई किये जाने संबंधी आदेश जारी कर दिया है।कोविड महामारी से आम जनता को हो रही परेशानी को देखते हुए राज्य शासने ने दस्तावेजों के पंजीयन के लिए वर्ष 2021 की प्रभावी बाजार मूल्य गाईडलाईन की समयावधि को 30 जून 2021 तक बढ़ाये जाने के आदेश जारी किया गया हैं।

कोरोना कर्फ्यू का पालन करें और अनावश्यक घरों से बाहर न निकले

कलेक्टर श्री भार्गव ने नागरिकों से की अपील

रायसेन। जिले में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव द्वारा सम्पूर्ण जिले में 08 मई तक कोरोना कर्फ्यू लागू किया गया है। साथ ही राजस्व, पुलिस एवं संबंधित अधिकारियों को सतत् रूप से क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए कोरोना कर्फ्यू का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री भार्गव ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना कर्फ्यू और शासन के दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करें। हम सभी को मिलकर कोरोना संक्रमण की चेन को तोडना है, यह घरों में रहकर ही संभव है। कलेक्टर श्री भार्गव ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सभी जरूरी सावधानियां बरतें। मास्क लगाए, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और समय-समय पर साबुन से हाथ धोते रहे। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहें नागरिकों से कहा कि प्रोटोकोल अनुसार दवाई, संतुलित भोजन, तरल पेय आदि लेते रहें और सकारात्मक रहें। कोरोना के लक्षण प्रतीत होने पर चिकित्सक को दिखाएं और उनके परामर्श अनुसार टेस्ट कराएं। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को कोई लक्षण नहीं है और उसकी रिपोर्ट पॉजीटिव आती है तो तुरंत उपचार प्रारंभ करें। घर में अलग रहने की व्यवस्था नहीं होने पर कोविड केयर सेंटर पर भर्ती रहें ताकि अन्य परिवारजनों को संक्रमण न हो।

शासकीय विद्यालयों की कक्षा 9वी और 11वीं का परीक्षा परिणाम 15 मई तक घोषित करें

रायसेन। आयुक्त, लोक शिक्षण श्रीमती जयश्री कियावत ने समस्त संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं समस्त संकुल प्राचार्य हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी को पत्र द्वारा निर्देशित किया है कि कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुये शासकीय विद्यालयों की कक्षा 9वीं एवं 11वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम 15 मई 2021 तक घोषित करें।

मात्र सात दिन में स्वस्थ होकर घर लौटी अंजली मरावी

उपचार एवं व्यवस्थाओं को सराहा

भोपाल। कोरोना पॉजीटिव चिन्हित होने के बाद अंजली मरावी का पूरा परिवार चिंतित था। अंजली मरावी को उपचार के लिये पीटीएस स्थित कोरोना सेंटर में भर्ती करवाया गया। सेंटर की व्यवस्था, वातावरण, साफ सफाई, खान-पान एवं डॉक्टर की देखभाल से वह मात्र सात दिनों में ठीक होकर हंसते-हंसते अपने घर की ओर रवाना हुई। उमरिया निवासी अंजली मरावी ने बताया कि 20 अप्रैल को उनकी कोरोना जाँच पॉजीटिव आई थी। परिवार के लोगों ने कोरोना उपचार के लिये पीटीएस स्थित कोरोना सेंटर में भर्ती करवाया। सेंटर में मिली उपचार एवं अन्य व्यवस्थाओं ने अंजली मरावी को मात्र सात दिवस में स्वस्थ कर दिया। वे बताती है कि यहाँ प्रत्येक मरीज के साथ अच्छा व्यवहार के साथ समय पर चाय, नास्ता, भोजन, दवाईयाँ उपलब्ध कराई गई और चिकित्सकीय दल द्वारा लगातार पूछ-परख भी की जाती है। उन्होंने स्वस्थ होकर घर जाते वक्त यह भी कहा कि सेंटर में बिलकुल घर जैसा माहौल मिला। इसके लिये अंजली मरावी ने जिला कलेक्टर, आर.एम.ओ सहित अस्पताल के अन्य स्टॉफ का धन्यवाद भी ज्ञापित किया

पॉजीटिव केसेस की तुलना में रिकवरी बढ़कर 84.19 प्रतिशतः मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोरोना पॉजिटिव केसेस की तुलना में रिकवरी रेट में लगातार वृद्धि हो रही है। रिकवरी दर 23 अप्रैल को 80.41 प्रतिशत थी, जो बढ़कर आज 2 मई को 84.19 प्रतिशत हो गई है। रिकवरी दर 29 अप्रैल को 82.28 प्रतिशत, 30 अप्रैल को 82.88 प्रतिशत और एक मई को बढ़कर 83.63 प्रतिशत पहुँची। एक्टिव केसेस की संख्या के हिसाब से मध्यप्रदेश देश में 7 वें नंबर पर था, जो अब 14 वें नंबर पर बेहतर स्थिति में आ गया है। प्रदेश के 26 जिलों में नए पॉजिटिव केसेस की तुलना रिकवरी का प्रतिशत अधिक रहा है।

83.4 प्रतिशत मरीज होम आइसोलेशन मे हुए ठीक-प्रदेश में एक दिन में स्वस्थ हुए मरीजों में से 83.4 प्रतिशत होम आइसोलेशन के मरीज थे और 3.9 प्रतिशत मरीज कोविड केयर सेन्टर में उपचाररत थे। इस प्रकार 87.3 प्रतिशत मरीज अस्पताल जाए बिना होम आइसोलेशन और कोविड केयर सेंटर में ही स्वस्थ्य हो गए। शेष 12.7 प्रतिशत अस्पतालों से ठीक होकर घर वापस गए हैं। प्रदेश में कुल 68 हजार 156 मरीज होम आइसोलेशन में है। इनमें से 97 प्रतिशत मरीजों से कम से कम एक बार सम्पर्क किया गया है। होम आइसोलेशन के 99 प्रतिशत मरीजों को मेडिकल किट और हेल्थ ब्रोशर की होम डिलेवरी की जा रही है।

52 जिलों में 251 कोविड केयर सेंटर्स कार्यरत-प्रदेश के 52 जिलों मे 251 कोविड केयर सेंटर्स प्रारंभ किये जा चुके हैं, जिनमें मंद लक्षणों वाले रोगियों को रखा जा रहा है। इनमें वर्तमान में कुल 16 हजार 636 बेड्स की व्यवस्था की गई है। इनमें से 1180 ऑक्सीजन बेड्स स्थापित किये गए हैं। सेंटर्स में बेड्स की संख्या में निरंतर इजाफा किया जा रहा है।

22 हजार से अधिक क्वारेन्टाईन सेंटर्स-ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक कुल 22 हजार 10 संस्थागत क्वारेन्टाईन सेंटर्स बनाये जा चुके हैं। इनमें 2 लाख 63 हजार 715 बेडस स्थापित किये गए हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सभी सेंटर्स में रहने वाले मरीजों को मेडिकल किट और हेल्थ ब्रोशर प्रदाय किये जा रहे हैं।

अस्पताल और बिस्तर-प्रदेश में कुल 845 कोविड अस्पताल संचालित हैं। एक अप्रैल तक इनमें कुल 20 हजार 159 बेड्स उपलब्ध थे, जिन्हें बढ़ाकर 60 हजार से अधिक किया गया है। प्रतिदिन एक हजार से अधिक बेड्स बढ़ाए जा रहे हैं। एक माह में 40 हजार से अधिक बेड्स बढ़ाए गए हैं। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के बेड्स

45 जिलों में स्वीकृत 45 ऑक्सीजन प्लांट

को ऑक्सीजन बेड्स में परिवर्तित करने के लिए पाइप लाइन डालने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। जिला अस्पतालों के 2 हजार 302 बिस्तरों में से अब तक 1476 बिस्तरों के लिए ऑक्सीजन पाइप लाइन डाली जा चुकी है। प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के 4643 बिस्तरों में से अब तक 557 बिस्तरों के लिए ऑक्सीजन पाइप लाइन डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है।

ऑक्सीजन की उपलब्धता-प्रदेश को केन्द्र सरकार से 24 अप्रैल से अभी तक 649 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की स्वीकृति मिली है। बाहरी स्त्रोतों से कुल 474.8 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्राप्त होने की संभावना है। इसके अलावा बाहरी स्त्रोतों से 455.2 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई है। ऑक्सीजन के त्वरित परिवहन के लिए झारखंड एवं गुजरात से ऑक्सीजन टेंकर एयरलिफ्ट कर इंदौर, भोपाल एवं ग्वालियर लाए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार से बोकारो एवं भोपाल के मध्य वायुसेना की सामरिक उड़ान सहित जामनगर से भोपाल-इंदौर की उड़ान के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। इसके अलावा रेल्वे के माध्यम से राउरकेला से जबलपुर तक प्रति रैक 6 टेंकर्स के परिवहन की सुविधा के साथ 2 रेलवे रेक्स उपलब्ध कराये जाने के लिए रेल मंत्रालय से अनुरोध किया गया। ऑक्सीजन उत्पादक कंपनी एयर लिक्विड, पानीपत से मध्यप्रदेश का ऑक्सीजन आवंटन 6 मीट्रिक टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन निर्धारित करने एवं आईनॉक्स, बोकारो से प्रतिदिन का आवंटन 100 से 133 मीट्रिक टन करने अनुरोध भी राज्य शासन द्वारा भारत सरकार से किया गया है। ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए राज्य सरकार द्वारा 2000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर लगाये जा चुके हें। इसके अलावा 10 लीटर प्रति मिनिट की क्षमता वाले 5000 कंसंट्रेटर केन्द्र से प्रदाय करने का अनुरोध किया गया है।

45 जिलों में स्वीकृत 45 ऑक्सीजन प्लांट-राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 37 जिलों के लिए स्वयं के बजट से जिला अस्पतालों में पीएसए तकनीक से तैयार होने वाले नए ऑक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं। प्रथम चरण में 13 जिलों में 16 मई तक प्लांट शुरू हो जायेंगे। द्वितीय चरण में 9 जिलों में 23 मई तक एवं तृतीय चरण में शेष 15 जिलों में 20 जुलाई तक ऑक्सीजन प्लांट प्रारंभ करने का लक्ष्य है। भारत सरकार के सहयोग से 8 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 7 प्लांट ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

पॉजीटिव केसेस की तुलना में रिकवरी बढ़कर 84.19 प्रतिशतः मुख्यमंत्री श्री चौहान

45 जिलों में स्वीकृत 45 ऑक्सीजन प्लांट

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोरोना पॉजिटिव केसेस की तुलना में रिकवरी रेट में लगातार वृद्धि हो रही है। रिकवरी दर 23 अप्रैल को 80.41 प्रतिशत थी, जो बढ़कर आज 2 मई को 84.19 प्रतिशत हो गई है। रिकवरी दर 29 अप्रैल को 82.28 प्रतिशत, 30 अप्रैल को 82.88 प्रतिशत और एक मई को बढ़कर 83.63 प्रतिशत पहुँची। एक्टिव केसेस की संख्या के हिसाब से मध्यप्रदेश देश में 7 वें नंबर पर था, जो अब 14 वें नंबर पर बेहतर स्थिति में आ गया है। प्रदेश के 26 जिलों में नए पॉजिटिव केसेस की तुलना रिकवरी का प्रतिशत अधिक रहा है।

83.4 प्रतिशत मरीज होम आइसोलेशन मे हुए ठीक

प्रदेश में एक दिन में स्वस्थ हुए मरीजों में से 83.4 प्रतिशत होम आइसोलेशन के मरीज थे और 3.9 प्रतिशत मरीज कोविड केयर सेन्टर में उपचाररत थे। इस प्रकार 87.3 प्रतिशत मरीज अस्पताल जाए बिना होम आइसोलेशन और कोविड केयर सेंटर में ही स्वस्थ्य हो गए। शेष 12.7 प्रतिशत अस्पतालों से ठीक होकर घर वापस गए हैं। प्रदेश में कुल 68 हजार 156 मरीज होम आइसोलेशन में है। इनमें से 97 प्रतिशत मरीजों से कम से कम एक बार सम्पर्क किया गया है। होम आइसोलेशन के 99 प्रतिशत मरीजों को मेडिकल किट और हेल्थ ब्रोशर की होम डिलेवरी की जा रही है।

52 जिलों में 251 कोविड केयर सेंटर्स कार्यरत

प्रदेश के 52 जिलों मे 251 कोविड केयर सेंटर्स प्रारंभ किये जा चुके हैं, जिनमें मंद लक्षणों वाले रोगियों को रखा जा रहा है। इनमें वर्तमान में कुल 16 हजार 636 बेड्स की व्यवस्था की गई है। इनमें से 1180 ऑक्सीजन बेड्स स्थापित किये गए हैं। सेंटर्स में बेड्स की संख्या में निरंतर इजाफा किया जा रहा है।

22 हजार से अधिक क्वारेन्टाईन सेंटर्स

ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक कुल 22 हजार 10 संस्थागत क्वारेन्टाईन सेंटर्स बनाये जा चुके हैं। इनमें 2 लाख 63 हजार 715 बेडस स्थापित किये गए हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सभी सेंटर्स में रहने वाले मरीजों को मेडिकल किट और हेल्थ ब्रोशर प्रदाय किये जा रहे हैं।

अस्पताल और बिस्तर

प्रदेश में कुल 845 कोविड अस्पताल संचालित हैं। एक अप्रैल तक इनमें कुल 20 हजार 159 बेड्स उपलब्ध थे, जिन्हें बढ़ाकर 60 हजार से अधिक किया गया है। प्रतिदिन एक हजार से अधिक बेड्स बढ़ाए जा रहे हैं। एक माह में 40 हजार से अधिक बेड्स बढ़ाए गए हैं। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के बेड्स को ऑक्सीजन बेड्स में परिवर्तित करने के लिए पाइप लाइन डालने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। जिला अस्पतालों के 2 हजार 302 बिस्तरों में से अब तक 1476 बिस्तरों के लिए ऑक्सीजन पाइप लाइन डाली जा चुकी है। प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के 4643 बिस्तरों में से अब तक 557 बिस्तरों के लिए ऑक्सीजन पाइप लाइन डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है।

ऑक्सीजन की उपलब्धता

प्रदेश को केन्द्र सरकार से 24 अप्रैल से अभी तक 649 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की स्वीकृति मिली है। बाहरी स्त्रोतों से कुल 474.8 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्राप्त होने की संभावना है। इसके अलावा बाहरी स्त्रोतों से 455.2 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई है। ऑक्सीजन के त्वरित परिवहन के लिए झारखंड एवं गुजरात से ऑक्सीजन टेंकर एयरलिफ्ट कर इंदौर, भोपाल एवं ग्वालियर लाए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार से बोकारो एवं भोपाल के मध्य वायुसेना की सामरिक उड़ान सहित जामनगर से भोपाल-इंदौर की उड़ान के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। इसके अलावा रेल्वे के माध्यम से राउरकेला से जबलपुर तक प्रति रैक 6 टेंकर्स के परिवहन की सुविधा के साथ 2 रेलवे रेक्स उपलब्ध कराये जाने के लिए रेल मंत्रालय से अनुरोध किया गया।

ऑक्सीजन उत्पादक कंपनी एयर लिक्विड, पानीपत से मध्यप्रदेश का ऑक्सीजन आवंटन 6 मीट्रिक टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन निर्धारित करने एवं आईनॉक्स, बोकारो से प्रतिदिन का आवंटन 100 से 133 मीट्रिक टन करने अनुरोध भी राज्य शासन द्वारा भारत सरकार से किया गया है। ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए राज्य सरकार द्वारा 2000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर लगाये जा चुके हैं। इसके अलावा 10 लीटर प्रति मिनिट की क्षमता वाले 5000 कंसंट्रेटर केन्द्र से प्रदाय करने का अनुरोध किया गया है।

45 जिलों में स्वीकृत 45 ऑक्सीजन प्लांट

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 37 जिलों के लिए स्वयं के बजट से जिला अस्पतालों में पीएसए तकनीक से तैयार होने वाले नए ऑक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं। प्रथम चरण में 13 जिलों में 16 मई तक प्लांट शुरू हो जायेंगे। द्वितीय चरण में 9 जिलों में 23 मई तक एवं तृतीय चरण में शेष 15 जिलों में 20 जुलाई तक ऑक्सीजन प्लांट प्रारंभ करने का लक्ष्य है। भारत सरकार के सहयोग से 8 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 7 प्लांट ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

एक नजर...

स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग के लिये गाँव-गाँव दी जा रही है दस्तक

9 मई तक जारी रहेगा किल-कोरोना अभियान-2 : मुख्यमंत्री श्री चौहान

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में गाँव-गाँव और घर-घर जाकर स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग के लिये किल-कोरोना अभियान-2 चलाया जा रहा है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ संक्रमण की दर अधिक है, वहाँ प्राथमिकता से सर्वे टीम पहुँच कर संभावित मरीजों की पहचान कर रही है। गत 24 अप्रैल से प्रारंभ हुए किल-कोरोना अभियान-2 के लिये 15 हजार 308 सर्वे टीमें गठित की गयी हैं। सर्वे टीमों द्वारा अभी तक 2 करोड़ 29 लाख 51 हजार 135 से अधिक जनसंख्या का सर्वे पूरा कर लिया गया है। सर्वे के दौरान 84 हजार 148 से अधिक संभावित मरीजों के सैम्पल लिए गये हैं। अभियान 9 मई तक चलेगा।

94.62 प्रतिशत ग्राम पंचायतो ने लिया कोरोना-कर्फ्यू का संकल्प

प्रदेश की 22 हजार 811 ग्राम पंचायतों में से 21 हजार 584 ग्राम पंचायतों ने जनता कोरोना कर्फ्यू लगाने का संकल्प लिया है, जो कुल पंचायतों की लगभग 94.62 प्रतिशत है। अत्यावश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी और निजी कार्यालय 10 प्रतिशत उपस्थिति के साथ संचालित हो रहे है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक खेल, शैक्षणिक, सार्वजनिक कार्यक्रम और मनोरंजन की गतिविधियों आयोजित करने के लिए लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबन्ध रखा गया है।

80 लाख से अधिक का हुआ टीकाकरण

प्रदेश में टीकाकरण का कार्य भी जारी है। अब तक प्रदेश के हेल्थ वर्कर्स फ्रंट लाईन वर्कर्स, वरिष्ठ नागरिक एवं 45 वर्ष से अधिक के लगभग 80 लाख 69 हजार से अधिक लोगों का टीकाकरण हो चुका है। प्रदेश के 3 करोड़ 22 लाख से अधिक नागरिकों को टीका लगेगा। सरकार इस कार्य पर लगभग 2710 करोड़ रुपये खर्च करेगी। कोविशील्ड वैक्सीन के 45 लाख डोज का कार्यादेश जारी कर दिया गया है।

जोबट में वॉलेंटियर्स द्वारा एंबुलेंस वाहन भेंट

प्रदेश भर में कोरोना वॉलेंटीयर्स की संख्या अब 1 लाख 8 हजार 375 से भी अधिक हो गयी है। सभी वॉलेंटीयर्स सरकार के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर कोविड नियंत्रण में जन- जागरूकता के कार्यों में अहम योगदान दे रहे हैं। अलीराजपुर जिले में 1616 वॉलेंटियर्स का पंजीयन किया गया है। जिले के विकासखण्ड जोबट में वॉलेंटियर्स द्वारा नगरवासियों को सर्व-सुविधा युक्त एंबुलेंस वाहन भेंट किया गया है। एंबुलेंस से हाल ही में ऑक्सीजन के 7 सिलेंडर इंदौर से जोबट पहुँचाये जा सके।

जीवन अमृत योजना

जीवन अमृत योजना में 8 अप्रैल 2021 से अब तक प्रति परिवार 1 लाख 16 हजार 979 काढ़े के पैकेट वितरित कर 2 लाख 92 हजार 448 लोगों को लाभान्वित किया गया है।

योग से निरोग कार्यक्रम

कोरोना संकट काल में राज्य सरकार ने नवाचार कर योग से निरोग कार्यक्रम प्रारंभ किया है। प्रदेश अब तक 2,918 योग प्रशिक्षक पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें से 2 हजार 531 योग प्रशिक्षकों की 25 हजार 233 होम आइसोलेटेड मरीजों के साथ मैपिंग की गयी।वर्तमान में कुल 2,390 योग प्रशिक्षक 15 हजार 146 होम आईसोलेटेड मरीजों को योगाभ्यास आदि ऑनलाइन करवा रहे हैं।

महत्वपूर्ण निर्णय

राज्य सरकार ने संकट की इस घड़ी में किसान भाइयों को खरीफ 2020 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 31 मई किये जाने संबंधी आदेश जारी कर दिया है।कोविड महामारी से आम जनता को हो रही परेशानी को देखते हुए राज्य शासने ने दस्तावेजों के पंजीयन के लिए वर्ष 2021 की प्रभावी बाजार मूल्य गाईडलाईन की समयावधि को 30 जून 2021 तक बढ़ाये जाने के आदेश जारी किया गया हैं।

कोरोना कर्फ्यू के दौरान बंद व्यापारिक प्रतिष्ठानों से फिक्स चार्ज व न्यूनतम प्रभार न वसूला जायेः एमपीसीसीआई

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) द्वारा कोरोना कर्फ्यू के दौरान बंद व्यापारिक प्रतिष्ठानों से फिक्स चार्ज व न्यूनतम प्रभार न वसूले जाने के संबंध में मप्र के मुख्यमंत्री-श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री-श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, पूर्व केन्द्री मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, ऊर्जा मंत्री-श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर व सांसद-श्री विवेक नारायण शेजवलकर को लिखा पत्र को पत्र प्रेषित किया गया है। एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि कोरोना महामारी की यह द्वितीय लहर है और यह बहुत खतरनाक है7 ग्वालियर जैसे शहर में जहां पिछली लहर में एक दिन में अधिकतम 269 पॉजिटिव मरीज आते थे और अब एक दिन में 1400 मरीज तक पॉजिटिव निकल रहे हैं7 इसके साथ ही, बहुत से व्यापार-उद्योग, सामाजिक क्षेत्र, राजनैतिक क्षेत्र, सांस्कृति क्षेत्र की महान विभूतियों को हमने खोया है7 एमपीसीसीआई ने पत्र में उल्लेख किया है कि कोरोना महामारी से बचने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपील की है कि संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए संपर्क को तोड़ना होगा और इसके लिए कोरोना कर्फ्यू ही एकमात्र विकल्प है7 माननीय मुख्यमंत्री जी की अपील पर संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए व्यापारियों ने इसको माना और इसके लिए सकारात्मक सहयोग व्यापारियों द्वारा दिया जा रहा है7 ऐसे में उसको अपनी आजीविका चलाने के साथ ही दुकान का किराया, बैंक का ब्याज, ईमआई, जीएसटी, बिजली का बिल, कार्यरत कर्मचारियों का वेतन का आर्थिक बोझ तो है ही, उसके बाद भी वह कोरोना संक्रमण में शासन का सहयोग कर रहा है, लेकिन इस सकारात्मक सहयोग के बाद भी कोरोना कर्फ्यू में अपने प्रतिष्ठान/मॉल के बंद होने के बाद उस समय का न्यूनतम प्रभार, फिक्स चार्ज और प्रतिष्ठान बंद होने से समय पर बिल जमा नहीं कर पाने पर सरचार्ज का सामना करना पड़ रहा है7 जबकि विद्युत अधिनियम 2003 के मुताबिक एक निर्धारित अवधि के बाद किसी भी व्यापार को शासकीय/प्रशासकीय आदेश के अंतर्गत चलाने की अनुमति नहीं होती है तब उस स्थिति में उस अवधि का फिक्स चार्ज, न्यूनतम प्रभार नहीं वसूला जा सकता है7 पिछले कोरोना काल में लगभग 78 दिनों के लॉकडाउन में भी फिक्स चार्ज, न्यूनतम प्रभार वसूला गया जिससे व्यापार जगत में सरकार की नकारात्मक छवि निर्मित हुई है और यदि इस वर्ष भी इसको मानवीय, संवेदनशीलता व विधि सम्मत होने के आधार पर इस वर्ष भी समय रहते हटाने की घोषणा न की तो बहुत सारे व्यापार, मॉल, दुकानें इस कारण से बंद हो सकते हैं या बीमारू की श्रेणी में आ सकते हैं7 जबकि व्यापारी यह आपसे कोई अनुदान या आर्थिक पैकेज के रूप में मांग नहीं कर रहे हैं, वह केवल जिस अवधि में प्रशासनिक आदेशों के अंतर्गत व्यापार नहीं करने दिया जा रहा है उस अवधि के फिक्स चार्ज, न्यूनतम प्रभार व दुकानें बंद होने से वह समय पर बिल जमा नहीं कर पा रहे हैं तो सरचार्ज माफ करने की बात कर रहे हैं7 यह विधि सम्मत भी है और यदि शासन व्यापारियों से इस अवधि की राशि वसूलता है तब वह विधि का उल्लंघन तथा तानाशाही पूर्वक अवसर का लाभ उठाने की कार्यवाही के रूप में जाना जायेगा7 एमपीसीसीआई ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि जितनी अवधि के लिए प्रशासनिक आदेश के अंतर्गत जिन-जिन व्यापारियों के व्यापार को प्रतिबंधित किया गया है, उन्हें इस अवधि के फिक्स चार्ज, न्यूनतम प्रभार से मुक्ति की घोषणा की जाना चाहिए, जो कि समय रहते होना चाहिए7 व्यापारी की मानसिक एवं आर्थिक दृष्टि से सरकार का यह निर्णय सरकार की संवेदनशीलता को प्रदर्शित करेगा व व्यापार जगत में अच्छा संदेश जायेगा।

सांसद श्री शेजवलकर ने भितरवार में 10 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर देने की सहमति दी

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिए शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी घर-घर सर्वेक्षण का कार्य कराया जाए। सर्वेक्षण के दौरान जिन लोगों में कोविड के लक्षण पाए जाते हैं उनको दवा वितरण कराने के साथ-साथ उनका टेस्ट कराने की व्यवस्था भी की जाए। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर एवं कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने रविवार को डबरा एवं भितरवार में मैदानी अमले की बैठक लेकर यह निर्देश दिए हैं। बैठक में भाजपा के ग्रामीण अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा, एसडीएम डबरा श्री प्रदीप कुमार शर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने भितरवार में सांसद निधि से 10 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर खरीदे जाने की सहमति भी प्रदान की। डबरा एवं भितरवार में कोविड संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिये सभी प्रभावी कदम उठाने के निर्देशा-निर्देश भी दिए गए। सांसद श्री शेजवलकर ने बैठक में कहा कि शासकीय प्रसासों के साथ-साथ ग्रामीण जनों में भी कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिये जागरूकता लाने का कार्य किया जाना चाहिए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में कहा कि अब हर गाँव में सर्वेक्षण कराने के साथ-साथ जिले भर में लागू कोरोना कर्फ्यू का पालन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। हर गाँव में बाहर से आने वाले व्यक्तियों को गाँव के बाहर स्थापित किए गए क्वारंटाइन सेंटर में रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एक गाँव के लोग दूसरे गाँव में आवाजाही न करें, यह भी सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं पंचायत सचिवों से भी अपेक्षा की कि वे अपने-अपने गाँव में प्रमुख लोगों को साथ लेकर कोरोना सर्वेक्षण का प्रभावी कार्य करें। सर्वेक्षण के दौरान जो भी व्यक्ति संक्रमित पाया जाता है उसका तत्काल टेस्ट कराया जाए। टेस्ट के उपरांत उसे उचित चिकित्सा सुविधायें मुहैया कराई जाएँ।

सांसद एवं कलेक्टर ने डबरा व भितरवार में मैदानी अमले के साथ की बैठक

जिला प्रशासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमित मरीजों को देखते हुए अनुभाग दतिया ग्रामीण क्षेत्र में 3 रेड़ जोन बनाए

दतिया। जिले में बढ़ते कोरोना के प्रकरण को देखते हुए अपर कलेक्टर श्री एके चाँदिल ने अनुभाग दतिया के ग्रामीण क्षेत्र में 3 रेड़ जोन बनाए है। अपर कलेक्टर श्री एके चाँदिल ने कोरोना संक्रमण को रोकने हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दतिया के प्रस्ताव पर ग्रामीण क्षेत्र दतिया में (रेड़ जोन) के रूप में माईक्रो कंटेनमेंट एरिया घोषित किया गया है। जिसमें उनाव बालाजी मार्ग वाला क्षेत्र जिसकी चतुर सीमा पूर्व में पोस्ट ऑफिस उनाव, पश्चिम में भैरव मंदिर मार्ग, उत्तर में बालाजी मंदिर प्रांगण, दक्षिण में बस स्टैण्ड़, भाषडाखुर्द जिसकी चतुर सीमा पूर्व में जगदीश पुत्र मौजीलाल का मकान, पश्चिम में मेघ से मकान तक, उत्तर में कचहरी मोहल्ला की डीपी से दक्षिण में दुर्ग सिंह रावत की चक्की, जिगना जिसकी चतुर सीमा पूर्व में लक्ष्मन पाल का मकान, पश्चिम में पुराना थाना, उत्तर में प्राथमिक शाला चौबे की राखर, दक्षिण में बृजकिशोर मेहताजी का मकान की सीमा।

रेड़ जोन क्या है–ऐसे क्षेत्र जहां कोरोना के संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ रही है उस क्षेत्र को रेड़ जोन घोषित किया गया है। इस जोन के तहत् संक्रमित मरीज एवं परिवार के किसी भी सदस्य केा बाहर निकलने एवं बाहर से प्रवेश पर प्रतिबंध रखा गया है। जिससे चारो और बैरीकेटिग भी होगी एवं रेड़ जोन पर निगरानी रखने हेतु कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने नगर का भ्रमण का लिया स्थिति का जायजा

दतिया। कलेक्टर श्री संजय कुमार ने अधिकारियों के साथ नगर का भ्रमण कर जनता कोरोना कर्फ्यू का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलते पाए गए लोगों को समझाईश देते हुए स्पष्ट हिदायत दी कोरोना से बचना है तो घर पर रहना होगा।

पॉजीटिव केसेस की तुलना में रिकवरी बढ़कर 84.19 प्रतिशत - मुख्यमंत्री श्री चौहान - कोरोना-अपडेट 45 जिलों में स्वीकृत 45 ऑक्सीजन प्लांट

दतिया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोरोना पॉजिटिव केसेस की तुलना में रिकवरी रेट में लगातार वृद्धि हो रही है। रिकवरी दर 23 अप्रैल को 80.41 प्रतिशत थी, जो बढ़कर आज 2 मई को 84.19 प्रतिशत हो गई है। रिकवरी दर 29 अप्रैल को 82.28 प्रतिशत, 30 अप्रैल को 82.88 प्रतिशत और एक मई को बढ़कर 83.63 प्रतिशत पहुँची। एक्टिव केसेस की संख्या के हिसाब से मध्यप्रदेश देश में 7 वें नंबर पर था, जो अब 14 वें नंबर पर बेहतर स्थिति में आ गया है। प्रदेश के 26 जिलों में नए पॉजिटिव केसेस की तुलना रिकवरी का प्रतिशत अधिक रहा है।

83.4 प्रतिशत मरीज होम आइसोलेशन मे हुए ठीक

प्रदेश में एक दिन में स्वस्थ हुए मरीजों में से 83.4 प्रतिशत होम आइसोलेशन के मरीज थे और 3.9 प्रतिशत मरीज कोविड केयर सेन्टर में उपचाररत थे। इस प्रकार 87.3 प्रतिशत मरीज अस्पताल जाए बिना होम आइसोलेशन और कोविड केयर सेंटर में ही स्वस्थ्य हो गए। शेष 12.7 प्रतिशत अस्पतालों से ठीक होकर घर वापस गए हैं। प्रदेश में कुल 68 हजार 156 मरीज होम आइसोलेशन में है। इनमें से 97 प्रतिशत मरीजों से कम से कम एक बार सम्पर्क किया गया है। होम आइसोलेशन के 99 प्रतिशत मरीजों को मेडिकल किट और हेल्थ ब्रोशर की होम डिलेवरी की जा रही है।

52 जिलों में 251 कोविड केयर सेंटर्स कार्यरत

प्रदेश के 52 जिलों मे 251 कोविड केयर सेंटर्स प्रारंभ किये जा चुके हैं, जिनमें मंद लक्षणों वाले रोगियों को रखा जा रहा है। इनमें वर्तमान में कुल 16 हजार 636 बेड्स की व्यवस्था की गई है। इनमें से 1180 ऑक्सीजन बेड्स स्थापित किये गए हैं। सेंटर्स में बेड्स की संख्या में निरंतर इजाफा किया जा रहा है।

22 हजार से अधिक क्वारेन्टाईन सेंटर्स

ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक कुल 22 हजार 10 संस्थागत क्वारेन्टाईन सेंटर्स बनाये जा चुके हैं। इनमें 2 लाख 63 हजार 715 बेडस स्थापित किये गए हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सभी सेंटर्स में रहने वाले मरीजों को मेडिकल किट और हेल्थ ब्रोशर प्रदाय किये जा रहे हैं।

अस्पताल और बिस्तर

प्रदेश में कुल 845 कोविड अस्पताल संचालित हैं। एक अप्रैल तक इनमें कुल 20 हजार 159 बेड्स उपलब्ध थे, जिन्हें बढ़ाकर 60 हजार से अधिक किया गया है। प्रतिदिन एक हजार से अधिक बेड्स बढ़ाए जा रहे हैं। एक माह में 40 हजार से अधिक बेड्स बढ़ाए गए हैं। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के बेड्स को ऑक्सीजन बेड्स में परिवर्तित करने के लिए पाइप लाइन डालने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। जिला अस्पतालों के 2 हजार 302 बिस्तरों में से अब तक 1476 बिस्तरों के लिए ऑक्सीजन पाइप लाइन डाली जा चुकी है। प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के 4643 बिस्तरों में से अब तक 557 बिस्तरों के लिए ऑक्सीजन पाइप लाइन डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है।

ऑक्सीजन की उपलब्धता

प्रदेश को केन्द्र सरकार से 24 अप्रैल से अभी तक 649 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की स्वीकृति मिली है। बाहरी स्त्रोतों से कुल 474.8 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्राप्त होने की संभावना है। इसके अलावा बाहरी स्त्रोतों से 455.2 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई है। ऑक्सीजन के त्वरित परिवहन के लिए झारखंड एवं गुजरात से ऑक्सीजन टेंकर एयरलिफ्ट कर इंदौर, भोपाल एवं ग्वालियर लाए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार से बोकारो एवं भोपाल के मध्य वायुसेना की सामरिक उड़ान सहित जामनगर से भोपाल-इंदौर की उड़ान के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। इसके अलावा रेल्वे के माध्यम से राउरकेला से जबलपुर तक प्रति रैक 6 टेंकर्स के परिवहन की सुविधा के साथ 2 रेलवे रेक्स उपलब्ध कराये जाने के लिए रेल मंत्रालय से अनुरोध किया गया। ऑक्सीजन उत्पादक कंपनी एयर लिक्विड, पानीपत से मध्यप्रदेश का ऑक्सीजन आवंटन 6 मीट्रिक टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन निर्धारित करने एवं आईनॉक्स, बोकारो से प्रतिदिन का आवंटन 100 से 133 मीट्रिक टन करने अनुरोध भी राज्य शासन द्वारा भारत सरकार से किया गया है। ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए राज्य सरकार द्वारा 2000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर लगाये जा चुके हैं। इसके अलावा 10 लीटर प्रति मिनिट की क्षमता वाले 5000 कंसंट्रेटर केन्द्र से प्रदाय करने का अनुरोध किया गया है।

पंचायत एवं मनरेगा
के समस्त अभिलेख के थोक
एवं खेरिज विक्रेता
मनीष बंसल
मो.नं. 9755898938
पता-कल्पना नगर मुरार.

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
WhatsaPP :- 9425665944, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोपवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोल्ला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगर हनुमान मंदिर, गोपवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोल्ला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478